332

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

चित्रकला

संदर्शिका पुस्तिका

3

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)
ए-24-25, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर- 62, नोएडा-201309 (उ.प्र.)
वेवसाइटः www.nios.ac.in, टॉल फ्री नंबर 18001809393

एनआईओएस वाटरमार्क 70 जीएसएम पेपर पर मुद्रित।

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

पुनर्मुद्रण : दिसंबर, 2023 (18,000 प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309 द्वारा प्रकाशित एवं मैसर्स एजुकेशनल स्टोर्स, एस-5, बुल्ड रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, आरटीओ ऑफिस के पास, साइट-1, गाजियाबाद द्वारा मुद्रित।

सलाहकार समिति

प्रो. सरोज शर्मा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

डॉ. राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

डॉ. संध्या कुमार
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

पाठ्यक्रम समिति

प्रो. के. एम. चौधरी
विभागाध्यक्ष (सेवानिवृत्त)
ललित कला महाविद्यालय
नई दिल्ली

श्री सतीश शर्मा
निदेशक, शिल्प भारती
ललित कला एवं शिल्प संस्थान
साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली

डॉ. सविता कुमारी
सहायक प्रोफेसर
राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ
नई दिल्ली

श्री जॉय रॉय चौधरी
पी.जी.टी. चित्रकला
वायु सेना बाल भारती
पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली

डॉ. सचिन सैनी
टी.जी.टी. चित्रकला
राजकीय सह-शिक्षा विद्यालय
जौहरीपुर

श्रीमती अपराजिता रॉय
कला शिक्षक आर.पी.वी.वी
गांधी नगर, दिल्ली

श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं
पाठ्यक्रम समन्वयक
रा.मु.वि.सं., नोएडा

पाठ लेखक

प्रो. के. एम. चौधरी
विभागाध्यक्ष (सेवानिवृत्त)
ललित कला महाविद्यालय
नई दिल्ली

श्री सतीश शर्मा
निदेशक, शिल्प भारती
ललित कला एवं शिल्प संस्थान
साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली

डॉ. सचिन सैनी
टी.जी.टी. चित्रकला
राजकीय सह-शिक्षा विद्यालय
जौहरीपुर

श्री जॉय रॉय चौधरी
पी.जी.टी. चित्रकला
वायु सेना बाल भारती
पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली

श्रीमती अपराजिता रॉय
कला शिक्षक आर.पी.वी.वी
गांधी नगर, दिल्ली

संपादक

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उ.प्र.)

श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं
पाठ्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा

अनुवादक

डॉ. अंकित कुमार श्रीवास्तव
प्रवक्ता हिंदी
राणा प्रताप राजकीय माध्यमिक बाल विद्यालय
रिठाला, दिल्ली

टाइप सेटिंग

मैसर्स श्री कृष्णा ग्राफिक्स
दिल्ली

विषय-सूची

1.	प्रकृति का अध्ययन : पेंसिल और रंग के द्वारा	1
2.	स्थिर वस्तु के साथ छायांकन	9
3.	चित्रांकन/मुखाकृति चित्रण	15
4.	संयोजन के सृजनात्मक रूप	21
5.	पोस्टर निर्माण	35
6.	बनावट (टेक्सचर) और छपाई करना	42
7.	कोलाज निर्माण	52
8.	ग्राफिक डिज़ाइन-हस्त निर्मित तथा डिजिटल	60
9.	जनजातीय और लोककला के संदर्भ में रचनात्मक डिज़ाइन	66

1

प्रकृति का अध्ययन : पेंसिल और रंग के द्वारा

लक्ष्य

प्रकृति का अध्ययन करना यानी पेड़ों, चट्टानों, पत्तियों और फूलों जैसे विभिन्न तत्वों का अध्ययन करना और यह जानना कि उन्हें पेंसिल और रंग से कैसे चित्रित किया जाए।

परिचय

प्रकृति को मोटे तौर पर प्राकृतिक परिवेश के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ है खेत, घास के मैदान, नदियाँ, पेड़, वन्य जीवन। प्रकृति अधययन का मुख्य उद्देश्य मस्तिष्क को इन्हें देखने, निरीक्षण करने और इनका चित्रण करने के लिए प्रशिक्षित करना है। प्रकृति में रंग, बनावट, रूप और अनुपात की एक विस्तृत शृंखला है। हमारा मुख्य प्रयास इन्हें आवश्यक संतुलन और सुंदरता के साथ प्रस्तुत करना और प्रकृति से प्राप्त वनस्पतियों के साथ उनकी समानता को दर्शाना होना चाहिए। प्रकृति सदैव परिवर्तनशील है, इसलिए विभिन्न प्रकाश स्थितियों, समय और मौसमों में एक ही चीज़ का अवलोकन करना महत्वपूर्ण है।

प्रकृति में चीजों की अपार विविधता है; इसलिए आपके पास प्रेरणा की एक विस्तृत शृंखला है। इस पाठ में, हम प्रकृति से पेड़, फूल और पत्ते बनाने के बारे में सीखेंगे। आप अपनी इच्छानुसार प्रकृति के अन्य पहलुओं का चित्रण कर सकते हैं। प्रकृति के अध्ययन के लिए, विभिन्न क्षणों में फूलों, पेड़ों, पक्षियों आदि के रंगों और आकारों पर प्रकाश, छाया और अन्य वायुमंडलीय स्थितियों के प्रभाव को बारीकी से देखना और अवलोकन करना महत्वपूर्ण है।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- अपने हाथ से प्रकृति के तत्वों का चित्रण कर सकेंगे;

- तत्वों को संतुलन और सामंजस्य में बना सकेंगे;
- प्रकृति का अवलोकन और रचना के लिए वस्तुओं का चयन कर सकेंगे;
- प्रकृति की विभिन्न वस्तुओं के रंगों और स्वरों का अवलोकन कर उन्हें चित्रित कर सकेंगे;
- विभिन्न तत्वों की बनावट की पहचान कर उन्हें विशेष देखभाल के साथ चित्रकला और रंगाई में प्रस्तुत कर सकेंगे;
- प्रकृति के तत्वों को अनुपात में व्यवस्थित कर सकेंगे;
- मानव निर्मित वस्तु और प्राकृतिक वस्तुओं के बीच अंतर कर सकेंगे;
- परिप्रेक्ष्य बनाना सीखेंगे और उन्हें चित्रकला में लागू करेंगे;
- संतुलित रचना बनाना सीखेंगे;
- पेंसिल से छायांकन (शेडिंग) करना सीखेंगे।

वृक्ष अध्ययन

आवश्यक सामग्री : कागज, पेंसिल, ब्रश, ऐक्रेलिक/पोस्टर रंग।

चरण 1: एक पेड़ का निरीक्षण करें जिसका आप चित्र बनाना चाहते हैं। एक रेखा खींचे और पत्ते खींचकर पेड़ का सामान्य आकार बनाएँ। इसके बाद, मुख्य शाखाएँ बनाने के लिए कुछ रेखाएँ जोड़ें। तनों और शाखाओं को नीचे की तरफ मोटा और सिरे की तरफ पतला बनाना है। अब मुख्य शाखाओं से निकलने वाली छोटी शाखाएँ बनाएँ। (चित्र 1.1 देखें)

चित्र 1.1

चरण 2: प्रकाश के अनुसार तने और शाखाओं पर भूरे रंग के शेड्स जोड़ें। (चित्र 1.2 देखें)

चित्र 1.2

चरण 3: प्रकाश के अनुसार पत्तों को हरे रंग के विभिन्न शेड्स में रंगें। चित्र 1.3 देखें)

चित्र 1.3

चरण 4: पत्तियों के विवरण और छाल की बनावट को उजागर करने के लिए गहरे रंग जोड़ें। (चित्र 1.4 देखें)

चित्र 1.4

पुष्प अध्ययन

आवश्यक सामग्री : पेंसिल 2बी, 4बी, 6बी और कागज़

चरण 1: सबसे पहले कागज के मध्य भाग में चित्र बनाना प्रारंभ करें। फिर गहराई बनाने के लिए एक दूसरे को ओवरलैप करते हुए पंखुड़ियाँ (लंबी और छोटी) बनाएँ। तने और पत्तियों का चित्र बनाएँ। चित्र 1.5 देखें)

चित्र 1.5

चरण 2: 2बी पेंसिल का उपयोग कर पंखुड़ियों और तने के ऊपरी हिस्से में हल्के स्टोक्स में छायांकन करें। (चित्र 1.6 देखें)

चित्र 1.6

चरण 3: पुंकेसर, पत्तियों, फूल के पीछे और तने के अन्य हिस्सों को 4बी पेंसिल से डार्क शेडिंग का उपयोग करके हाइलाइट करें। जैसा कि चित्र 1.7 में दिखाया गया है।

चित्र 1.7

चरण 4: इसके बाद त्रि-आयाम के साथ आवश्यक स्वरूप देने के लिए छायांकन करके ड्राइंग को पूरा करें। (चित्र 1.8 देखें)

चित्र 1.8

पर्ण अध्ययन

आवश्यक सामग्री : पेंसिल, पेस्टल और कागज।

चरण 1: पत्तों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। एक गुच्छा बनाने के लिए लंबी, छोटी, चौड़ी और एक-दूसरे का किनारा मिलते हुए (ओवरलैप्ड) पत्तियाँ बनाएँ। चित्रण के मध्य भाग के नीचे और ऊपर तना बनाएँ; अन्य अंकुर और पत्तियाँ बनाएँ। (चित्र 1.9 देखें)

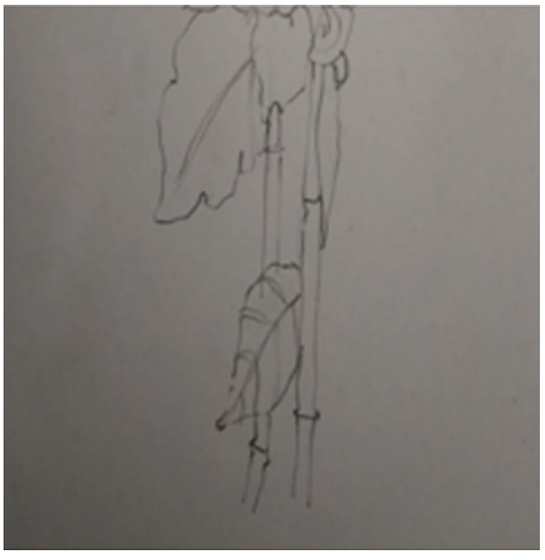

चित्र 1.9

चरण 2: प्रकाश के अनुसार हल्के, मध्यम और गहरे रंगों में पेंसिल से प्रारंभिक रंग भरना शुरू करें। (चित्र 1.10 देखें)

चित्र 1.10

चरण 3: रंग के गहरे टोन के साथ शेडिंग करें और रंग के अन्य शेड्स जैसे पीला, हरा, गहरा हरा, लाल और नीला के साथ मिलाएँ। (चित्र 1.11 देखें)

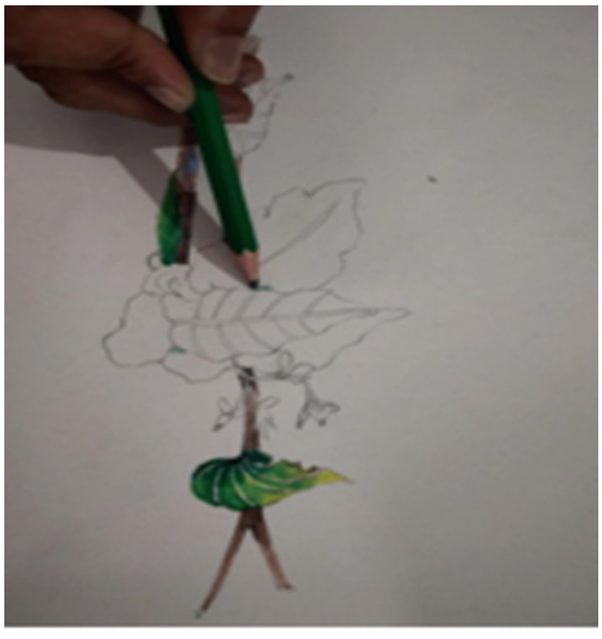

चित्र 1.11

चरण 4: गहरे रंगों के साथ पर्णसमूह का विवरणात्मक कार्य (डीटेलिंग) करें। जैसा कि चित्र 1.12 में दिखाया गया है।

चित्र 1.12

आपने क्या सीखा

- प्रकृति का अवलोकन।
- स्थान का विभाजन।
- पेंसिल द्वारा छायांकन के माध्यम से टोनल विविधता।
- प्रकृति अध्ययन में प्रकाश का प्रभाव।
- प्रकृति अध्ययन में जल रंग और रंगीन पेंसिल जैसे विभिन्न माध्यमों का प्रभाव।
- चित्रकला में बनावट, छायांकन और उसके रूपों को जानना।

पाठांत प्रश्न

1. पेंसिल से एक पेड़ का चित्र बनाएँ।
2. प्रकृति का अवलोकन करते हुए बांस की पत्तियों का चित्र जलरंग में बनाएँ।
3. अपने आस-पास के किसी फूल वाले पौधे का अध्ययन करें और प्रकाश के प्रभाव को नोट करें।

2

स्थिर वस्तु के साथ छायांकन

लक्ष्य

वस्तुएँ जो सटीक अनुपात में नहीं हैं, उन्हें देखकर उनका चित्र बनाएँ और फिर उन्हें अधिकतम समानता के साथ रंगें।

परिचय

स्थिर वस्तु चित्रण में वास्तविकता के साथ निर्जीव वस्तुओं का चित्रण करना और उनकी विशेषताओं, जैसे- आकार, रूप, कठोरता, कोमलता आदि को उजागर करना शामिल है।

स्थिर वस्तु चित्रण की विशेषताएँ रूपरेखा, अनुपात, आकृति, रूप, परिप्रेक्ष्य, रचना, संतुलन, विरोधाभास, प्रकाश और छाया जैसे प्रमुख तत्व हैं। स्थिर वस्तु चित्रण करने के लिए, इन प्रमुख तत्वों को ध्यान में रखकर और उन्हें एक विशेष दूरी पर चित्रित करके विषय को व्यवस्थित किया जाता है। स्थिर वस्तु चित्रण वस्तुओं का विस्तार से अध्ययन करने का अवसर देता है और शिक्षार्थियों की अवलोकन क्षमता को बढ़ता है। इस प्रक्रिया में शिक्षार्थी आकार, अनुपात, टोन, रंग बनावट, रूप और संरचना से अवगत हो जाते हैं। इस पूरे पाठ में शिक्षार्थी को किसी पैमाने द्वारा सीधे माप का उपयोग किए बिना सटीक अनुपात में वस्तुओं के चित्र बनाने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- गहन अवलोकन क्षमता विकसित कर सकेंगे;
- स्थिर वस्तु चित्रण को पूरा करने के लिए विभिन्न चरणों को चित्रित कर सकेंगे;
- बिना पैमाने के माप सकेंगे;
- छायांकन और प्रकाश के प्रभाव को चित्रित कर सकेंगे;

- स्थिर वस्तु चित्रण के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के बारे में जान सकेंगे;
- कला के मूल तत्वों, जैसे- रेखा, रंग, बनावट, रूप और अनुपात की पहचान कर सकेंगे।

स्थिर वस्तु चित्रण की मूल बातें : इसे दो प्रकार की माप प्रक्रियाओं का उपयोग किया जा सकता है- एक सामान्य माप द्वारा और दूसरा ग्राफ का उपयोग कर।

स्थिर वस्तु चित्रण

जल रंग द्वारा छायांकित फूलदान, कप, प्लेट और जग।

आवश्यक सामग्री : प्लेट ब्रश, पतला और मध्यम गोल ब्रश, जल पात्र और जल रंग।

स्थिर वस्तु चित्रण

अभ्यास 1

चरण 1: पृष्ठ के मध्य में एक ऊर्ध्वाधर रेखा और एक क्षैतिज रेखा यह मानते हुए खींचें कि आधार रेखा पर वस्तुएँ रखी गई हैं। सबसे पहले, एक मुख्य वस्तु बनाएँ और फिर उससे संबंधित अन्य वस्तुएँ बनाएँ। वस्तुओं को दृष्टिगत रूप से मापकर स्थान को विभाजित करें। जिन वस्तुओं को आप कागज पर चित्रित करना चाहते हैं उन्हें एक कागज में रखते हुए क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाएँ बनाएँ। प्रत्येक वस्तु को खींचने के लिए एक केंद्र रेखा लें और चित्र बनाएँ। (चित्र 2.1 देखें)

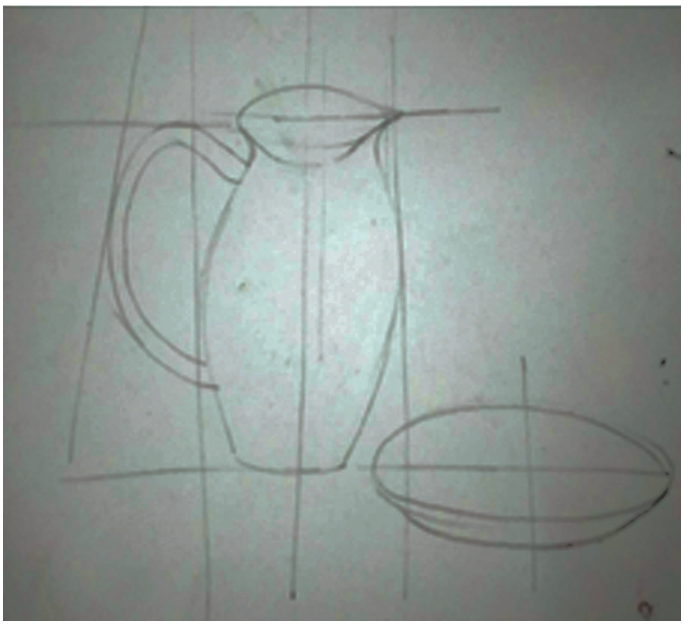

चित्र 2.1

चरण 2: पेंसिल से हाइलाइट्स बनाएँ और फिर जल रंग (वॉटर कलर) के हल्के टोन से रंगना शुरू करें। (चित्र 2.2 देखें)

चित्र 2.2

चरण 3: कलाकृति के आधे गीले होने पर मध्यम टोन डालें और इसे सावधानी से मिलाएँ। (चित्र 2.3 देखें)

चित्र 2.3

चरण 4 : डार्क टोन ठीक से लगाएँ ताकि चित्र की विशिष्टताओं का विवरण स्पष्ट हो। (चित्र 2.4 देखें)

चित्र 2.4

अभ्यास 2

पानी का जग और प्याज के साथ ट्रे का पेंसिल से चित्र बनाएँ।

चरण 1: सबसे पहले, काल्पनिक क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाएँ डालकर स्थान को विभाजिता करें। मुख्य वस्तु जग और फिर प्लेट बनाएँ। (चित्र 2.5 देखे)

चित्र 2.5

चरण 2: 2बी पेंसिल से छायांकन शुरू करें। सभी स्ट्रोक एक समान होने चाहिए। (चित्र 2.6 देखें)

चित्र 2.6

चरण 3: हल्के मध्यम टोन और गहरे टोन वाले हिस्सों को तदनुसार मिलाएँ। (चित्र 2.7 देखें)

चित्र 2.7

चरण 4 : हल्के क्षेत्र को प्रमुखता देने के लिए बेहद गहरे स्ट्रोक वाले हिस्से बनाएँ। (चित्र 2.8 देखें)

चित्र 2.8

आपने क्या सीखा

- क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाओं की सहायता से वस्तु का स्पष्ट चित्र बनाना।
- छायांकन करने के लिए समान रूप से वाटर कलर स्ट्रोक लगाना।
- पृष्ठभूमि के लिए, गहरे मोटे स्ट्रोक का उपयोग करना। वस्तुओं के अग्रभाग को उजागर करना, हल्की रेखाओं या हल्के टोन का उपयोग करना।
- पेंसिल अथवा रंगीन पेंसिल का उपयोग करके स्ट्रोक बनाना।
- रंगों को इस तरह मिलाना कि जहाँ जरूरत हो वहाँ वह दिखाई दें।

पाठांत प्रश्न

1. अपनी पसंद के अनुसार पेंसिल शेडिंग से स्थिर वस्तु चित्रण करें।
2. कुछ वस्तुओं को अलग-अलग बनाएँ और उन्हें रंगीन पेंसिलों से छायांकित करें।
3. पोस्टर कलर से किसी भी फर्नीचर ओर उसके छायांकन का चित्र बनाएँ।
4. माध्यम के रूप में पेंसिल और चारकोल के बीच अंतर को देखें और लिखें।
5. असामान्य वस्तुओं के स्थिर वस्तु चित्र एक-दूसरे से जुड़े हुए (ओवरलैप्ड) तरीके से बनाएँ और रंग भरें।

3

चित्रांकन/मुखाकृति चित्रण

लक्ष्य

अधिकतम समानता के साथ एक मानवीय चेहरा बनाना।

परिचय

चित्रांकन ललित कला की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रोचक शाखा है। पोर्ट्रेट पेंटिंग में किसी व्यक्ति की हूबहू समानता को चित्रित करना शामिल है। इसे लाइन कलर टेक्सचर और शेडिंग की मदद से किया जा सकता है। चित्रांकन की मुख्य विशेषता चेहरे का आकार है। यह गोल, अंडाकार, चौकोर या आयताकार हो सकता है। मनुष्य के चेहरे पर मुख्य रूप से दो आँखें, दो भौहें, एक नाक, दो कान और एक मुँह होता है। चेहरे को तीन भागों, माथा, मध्य (गाल वाला भाग) और अंतिम भाग (होंठ, जबड़ा और ठुड्डी) में बाँटा जा सकता है। हर इंसान का चेहरा एक-दूसरे से अलग होता है; विभिन्न लोगों के आकार की भिन्नता के कारण होता है। चित्रांकन में कोई भी चेहरा उसे बनाने वाले कलाकार के चित्रांकन के दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। जब किसी चेहरे को चित्रांकन से देखा जाता है, तो कलाकार उससे जो देख सकता है उसके अनुसार अलग-अलग कोणों से चित्रित किया जाएगा।

इसी तरह, जब अलग-अलग तरीके से चेहरे को देखा जाता है, तो उस व्यक्ति में चेहरे को अलग-अलग आँखों के स्तर पर चित्रित किया जाएगा, यानी ऊपर से, एक चेहरा सिर के हिस्से से अधिक ढँका हुआ होगा, और नीचे से, एक चेहरा ठोड़ी से माथे तक देखा जा सकता है; सिर का अनुपात दिखाई नहीं देगा। चित्र या तो सीधे बनाए जा सकते हैं या किसी व्यक्ति की किसी तस्वीर से बनाए जा सकते हैं।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- चेहरे का आकर बनाना सीखेंगे;

- मानव चेहरे की विशेषताओं के बीच अनुपात और समानता जानेंगे;
- दो चेहरों के बीच उनकी विशेषताओं, आकार और संरचना के अनुसार अंतर कर सकेंगे;
- जो आधार उनके स्वरूप को अलग करती है, उन्हें पकड़ सकेंगे;
- मानव चेहरे को विभिन्न माध्यमों, जैसे- पेंसिल, पेस्टेल रंग, जल रंग, तेल रंग आदि में चित्रित कर सकेंगे;
- हाव-भावों को चित्रित कर सकेंगे;
- चेहरे की मूल संरचना तैयार करने में आँखों के स्तर के महत्व को सीख सकेंगे;
- मानव चेहरे की अनूठी विशेषताओं के बारे जान सकेंगे।

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर का मुखाकृति बनाना (पुरुष चित्र)

आवश्यक सामग्री : 2बी, 4बी, 6बी पेंसिल, आप चारकोल पेंसिल, कागज, इरेजर आदि।

चरण 1: रवीन्द्रनाथ टैगोर की फोटो को ध्यानपूर्वक देखें। एक 2बी पेंसिल या कोई हल्के रंग की पेंसिल लें और चेहरे की रूपरेखा बनाएँ। आपको चित्र के सकारात्मक और नकारात्मक स्थान का अवलोकन करना होगा। चेहरे वाले भाग को सकारात्मक स्थान तथा शेष रिक्त स्थान को नकारात्मक स्थान कहा जाता है।

चित्र 3.1

चरण 2: अगले चरण पर जाएँ, चेहरे की विशेषताएँ बनाएँ और उन्हें विकसित करें। पहले प्रत्येक रंखा का निरीक्षण करें और क्रमिक रेखा को पिछली रेखाओं से सही दूरी पर रखें। इसके लिए आप स्थान को ध्यानपूर्वक ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज रेखाओं से विभाजित कर सकते हैं।

चित्र 3.2

चरण 3: छाया और प्रकाश के स्रोत का अवलोकन करें और चित्र को अत्यधिक चमकीले भागों से छायांकित करें। खाली भाग जहाँ प्रकाश सीधे पड़ता है जिसे हाईलाइट शेड कहा जाता है उसे 2बी पेंसिल से समान स्ट्रोक से बनाएँ। चेहरे की विशेषताएँ, जैसे- आँख का भाग, नाक के किनारे और नाक के नीचे का रंग माथे, आंख, नाक, गाल जैसे उभरे हुए हिस्सों की तुलना में अधिक गहरा दिखाएँ।

चित्र 3.3

चरण 4: अब रवीन्द्रनाथ टैगोर का चित्र पूरा करें।

अपने चित्र को पूरा करने के लिए अर्ध-अंधेरे भागों के लिए मध्यम टोन का उपयोग करें। अत्यंत गहरे भाग में गहरे रंग का टोन (6बी पेंसिल का उपयोग किया जाए)। दी गई तस्वीर में, बाल और चेहरे के नीचे का हिस्सा, आंख का सॉकेट बेहद काले हिस्से में हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर का पूरा हुआ चित्र (चित्र 3.4 देखें)।

चित्र 3.4

2. अमृता शेरगिल का मुखाकृति बनाना (महिला चित्र)

आवश्यक सामग्री : पेंसिल रंग, पेंसिल, कागज, रंगीन पेंसिल, रंग आदि।

चरण 1: एक हल्के रंग की पेंसिल ले और चित्र की रूपरेखा बनाएँ। पहले चित्र के अनुसार सकारात्मक (भरा हुआ) और नकारात्मक (खाली) स्थान का अवलोकन करें। (चित्र 3.5 देखें)

चित्र 3.5

चरण 2: अब गहरे रंग की पेंसिल से आउटलाइन दें। (चित्र 3.6 देखे)

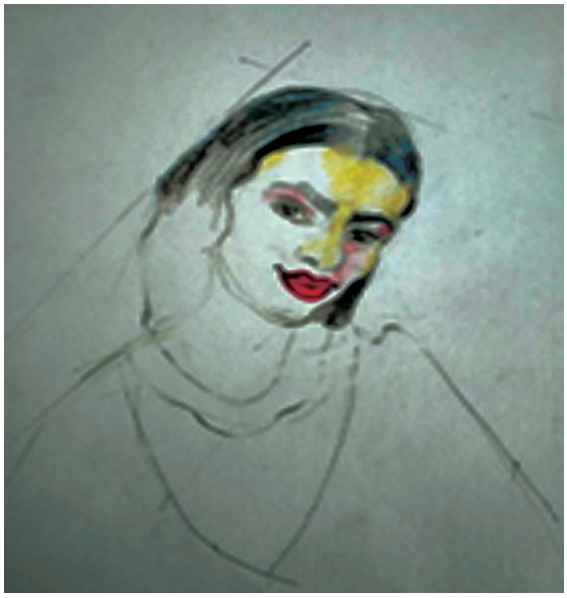

चित्र 3.6

चरण 3: त्वचा के रंग के सबसे हल्के टोन या उपयोग किए जाने वाले हल्के रंगों से शेडिंग शुरू करें। यह तभी संभव होगा जब आप चित्र 3.7 को ध्यान से देखेंगे।

चित्र 3.7

चरण 4: हल्के स्ट्रोक लगाने के बाद, प्रकाश के स्रोत को छोड़कर, आप गहरे रंगों का उपयोग करना शुरू कर दें; इस स्थिति में, यह गहरे पीले या नारंगी रंग अथवा त्वचा के रंग का होगा और चित्र को पूरा करें। अमृता शेरगिल का चित्र पूरा हुआ (चित्र 3.8 देखें)।

चित्र 3.8

आपने क्या सीखा

- चित्र बनाना एक सोच-समझकर किया जाने वाला किंतु अत्यंत आनंददायक कार्य हो सकता है।
- विशिष्टताओं को चित्रित करने के लिए रेखाएँ और उनका स्थान बहुत महत्वपूर्ण है।
- अधिकतम प्रभाव पाने के लिए रंगों में स्पष्ट अंतर होना चाहिए।
- स्ट्रोक एक ही दिशा में होना चाहिए।
- प्रकाशित क्षेत्रों को छोड़कर पहला कोट हल्का और सावधानी से होना चाहिए।
- हल्के मध्यम और गहरे टोन को एकरूप करना ताकि वे पूरी तरह से गायब न हो, यानी अंतिम तस्वीर में वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

पाठांत प्रश्न

1. पेंसिल के रंगों से एक बच्चे का चित्र बनाएँ।
2. किसी प्रसिद्ध व्यक्तित्व का चित्र बनाएँ और जल रंग के प्रयोग से उसे पूरा करें।
3. एक महिला का प्रोफाइल बनाएँ।
4. सामने के भाग को दर्शाते हुए एक चित्र बनाएँ।

4

संयोजन के सृजनात्मक रूप

लक्ष्य

कलाकार की दृष्टि अमूर्त होती है और संयोजन के लिए कलात्मक कार्य के विभिन्न तत्वों का समावेश होता है। इसके अंतर्गत कला कार्य की विविध आवश्यकताओं को जोड़ा जाता है तथा वे एक-दूसरे में व्यवस्थित होते हैं। इस पाठ का उद्देश्य शिक्षार्थियों के क्रियाकलापों को बढ़ावा देना है। आकृतियों, वस्तुओं की व्यवस्था के माध्यम से एक संगठित कलाकृति बनाना भी इस पाठ का लक्ष्य है।

परिचय

एक कलाकार की अवधारणा और दृष्टि किसी भी संयोजन में व्यक्त और अभिव्यक्त होती है। संयोजन एक ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न रूपों को संतुलन, लय और सामंजस्य के साथ व्यवस्थित किया जाता है। कभी-कभी कुछ बनावट जोड़ने से संयोजन की सुंदरता और अभिव्यक्ति को बढ़ाने में मदद मिलती है। किसी संयोजन में सबसे महत्वपूर्ण तत्व रचनात्मक रूपों की कल्पना करना है। जबकि ड्राइंग और पेंटिंग का कौशल अभ्यास के माध्यम से हासिल किया जा सकता है, रचनात्मकता उसका एक अंतर्निहित गुण है।

चित्रकला बनाते समय रचनात्मकता को ध्यान, एकाग्रता और दृश्य जैसे मानसिक व्यायामों द्वारा पोषित किया जा सकता है। कलाकार के पास अवलोकन की गहरी शक्ति होनी चाहिए, जो उसकी कल्पना से रूप बनाने के लिए प्रेरित करती है। हालाँकि संयोजन बनाने के लिए कोई सख्त नियम नहीं हैं, किंतु कलाकार को संयोजन के कुछ सिद्धांतों का पालन अवश्य करना चाहिए।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- संयोजन की परिभाषा प्रस्तुत कर सकेंगे;
- मानव आकृतियों और आकार के साथ एक संयोजन बना सकेंगे;

- हल्के टोन से और गहरे रंग का प्रयोग करना सीखेंगे;
- प्रत्यक्षीकरण की शक्ति में वृद्धि कर सकेंगे;
- कल्पनाओं को मूर्त रूप देने के कोशल को निखार सकेंगे;
- आलंकारिक और ज्यामितीय संरचना के बीच अंतर कर सकेंगे;
- किसी रचना में विभिन्न तत्वों के महत्व पर जोर देने के लिए पदानुक्रम का उपयोग कर सकेंगे।

मनुष्य तथा जानवरों के साथ सुंदर संयोजन चित्र

आवश्यक सामग्री : कागज, ब्रश, जल रंग, पोस्टर रंग, स्केल, पेंसिल, इरेजर, रंग पेलेट, पानी का कंटेनर और ब्रश को साफ करने के लिए कपड़ा।

किसी सुंदर संयोजन में सबसे पहले मानव आकृतियाँ बनानी चाहिए। इसके बाद एक सुंदर और कलात्मक रचना में वस्तुओं और मनुष्य आकृतियों को जोड़ा जा सकता है, जैसे कि पशु, पेड़, पौधे, फूल, फूलदान, मेज, कुर्सियाँ, सोफा, समाचार पत्र, दीवार घड़ियाँ, किताबें, साइकिल आदि बनाना। संयोजन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए केन्द्र बिंदु बनाना आवश्यक है।

किसी संयोजन में विभिनन तत्वों को रचना में उस तत्व के महत्व के अनुसार बड़े, मध्यम और छोटे आकार में बनाया जा सकता है। एक अच्छा संयोजन वह होता है जिसमें सभी तत्व एक साथ एकीकृत होते हैं।

चित्र 4.1

चित्र 4.1 के अनुसार कलाकृति में खड़े और लेटे हुए मानव आकृतियों और सोते हुए कुत्ते को एक जगह करने के लिए एक वृत्त के चारों ओर आकृतियों को व्यवस्थित करके संयोजन बनाना शुरू करें। (चित्र 4.1 को देखें)

चित्र 4.2 के अनुसार संयोजन की विशिष्टताओं पर ध्यान आकर्षित करने के लिए हल्के और गहरे टोन का प्रयोग करें।

चित्र 4.2

आगे दिए गए चित्र 4.3 और 4.4, यह एक विकर्ण रेखा में मानव आकृति और अन्य वस्तुओं का स्थान निर्धारण है जो द्रष्टा को चित्र में मार्गदर्शन करता है। रंग भरना एक अन्य साधन है जिसका उपयोग कलाकार चित्र 4.3 और 4.4 में संयोजनों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए करता है। पहले हल्के रंग का उपयोग करें और फिर विभिन्न आकृतियों और वस्तुओं पर बल देने के लिए गहरे रंग और छायांकन का उपयोग करें।

चित्रात्मक संयोजन-1

कुल्फी बेचने वाला

चरण 1: इस संयोजन को बनाने के लिए स्थान को तीन भागों में विभाजित करें, अर्थात् अग्रभूमि, मध्य भूमि और पृष्ठभूमि। सबसे पहले, मुख्य विषय को मध्य क्षेत्र में बनाएँ क्योंकि आँखों का ध्यान पहले केंद्र पर केंद्रित होना स्वाभाविक है। फिर अन्य आकृतियाँ और वस्तुएँ बनाएँ। ड्राइंग के लिए एचबी पेंसिल का प्रयोग करना चाहिए। सबसे पहले संयोजन की रूपरेखा बनाएँ। (चित्र 4.3 देखें)

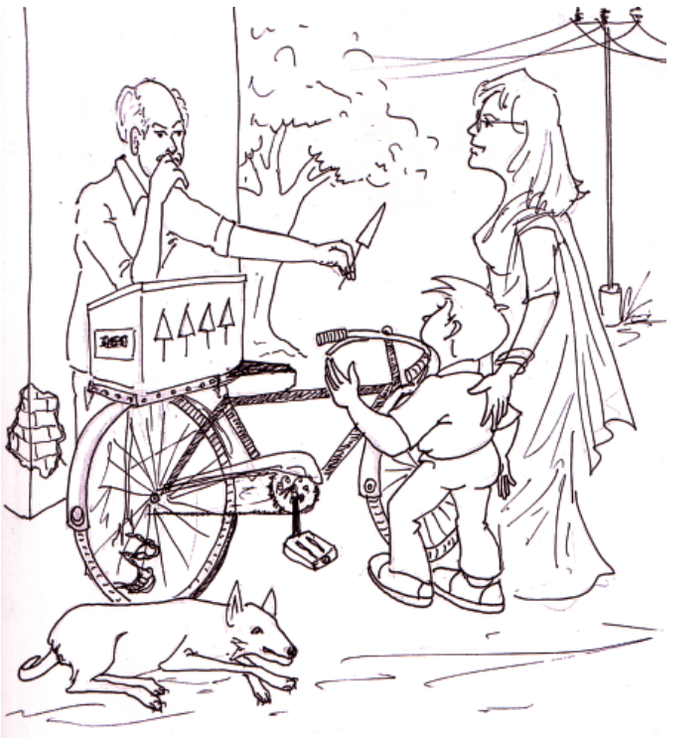

चित्र 4.3

चरण 2: मानव, पशु आकृतियों और पृष्ठभूमि में पेड़ पर हल्के रंग के जलरंग का प्रयोग करें। (चित्र 4.4 देखें)

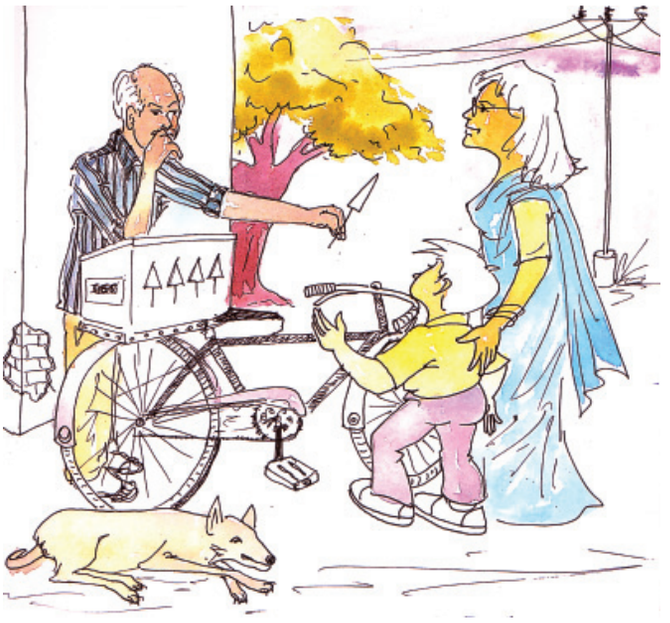

चित्र 4.4

चरण 3: शिक्षार्थी मुख्य आकृतियों को और शेष स्थान को जल रंग के मध्यम टोन से भर सकते हैं। (चित्र 4.5 देखें)

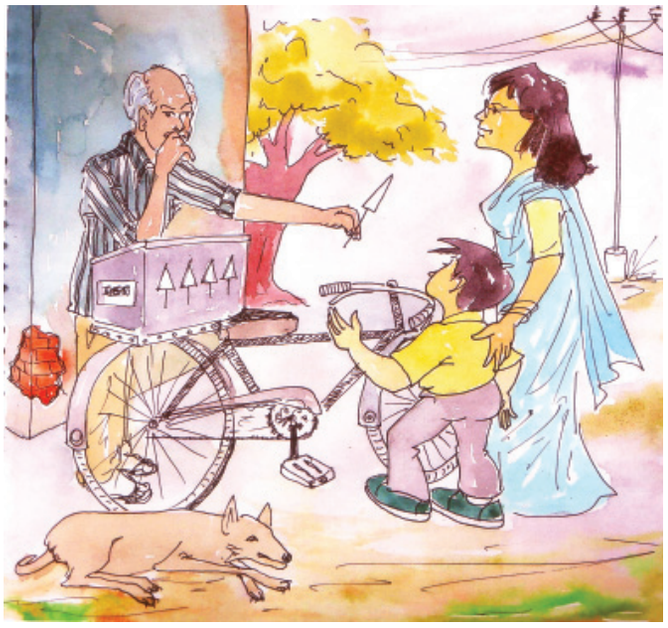

चित्र 4.5

चरण 4: संयोजन को पूरा करने के लिए जल रंग का गहरे टोन का प्रयोग करें। गहरे (डार्क) टोन का प्रयोग इस तरह करना चाहिए कि रंग की अधिकता न हो, इससे संयोजन में कठोरता आती है, जिससे हमें बचना चाहिए। (चित्र 4.6 देखें)

चित्र 4.6

चित्रात्मक संयोजन-2

बैठक खाना (लिविंग रूम)

चरण 1: लिविंग रूप के स्थान को रेखाओं के माध्यम से विभाजित करें। स्थान में मानव और पशु आकृतियों को व्यवस्थित करें। फिर अन्य वस्तुएँ बनाएँ, जैसे- घड़ी, फूलदान, दीवार पर पेंटिंग, सोफा और फूलदान आदि। (चित्र 4.7 देखें)

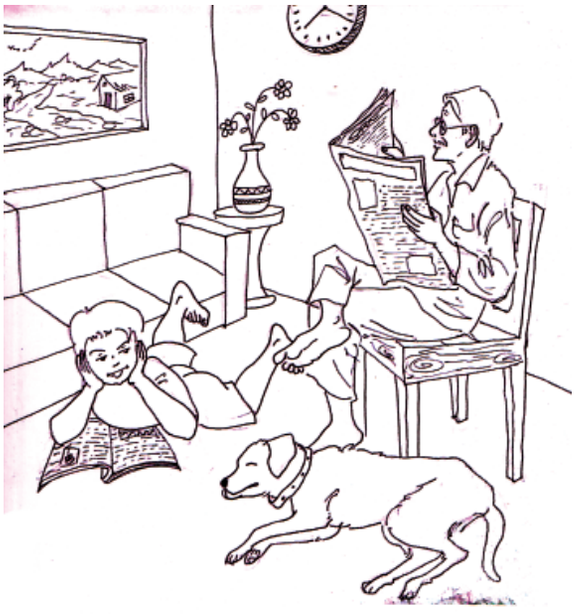

चित्र 4.7

चरण 2: चित्र 4.8 में दिखाए अनुसार फर्श और दीवार पर रंग का पतला कोट लगाएँ। (चित्र 4.8 देखें)

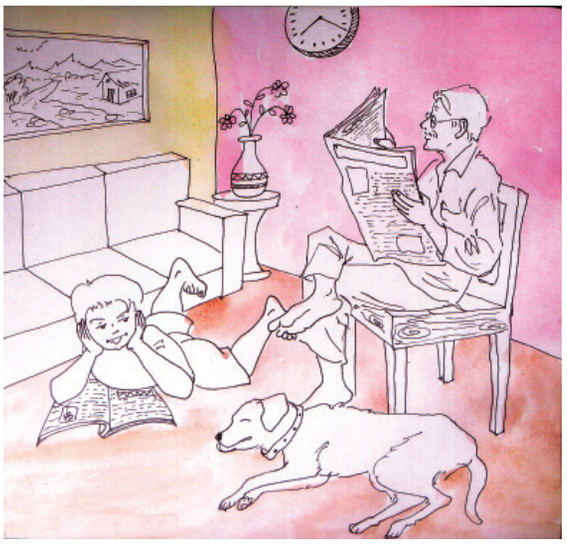

चित्र 4.8

चरण 3: शिक्षार्थी लिविंग रूम में आकृतियों और वस्तुओं को जल रंग के मध्यम टोन से रंग भरें। (चित्र 4.9 देखें)

चित्र 4.9

चरण 4: जल रंग के गहरे टोन का प्रयोग करें। संयोजन को एकीकृत करने के लिए विवरण दें और छायांकित करें। (चित्र 4.10 देखें)

चित्र 4.10

भूदृश्य (लैंडस्केप) संयोजन

गाँव का दृश्य

चरण 1: एक गाँव का दृश्य बनाएँ। स्थान को दो भागों में विभाजित करें, यानी अग्रभूमि और पृष्ठभूमि। चित्र 4.11 में दिखाए अनुसार पेड़ों, झोपड़ियों, पत्थरों और नदियों के रेखाचित्र बनाएँ। (चित्र 4.11 देखें)

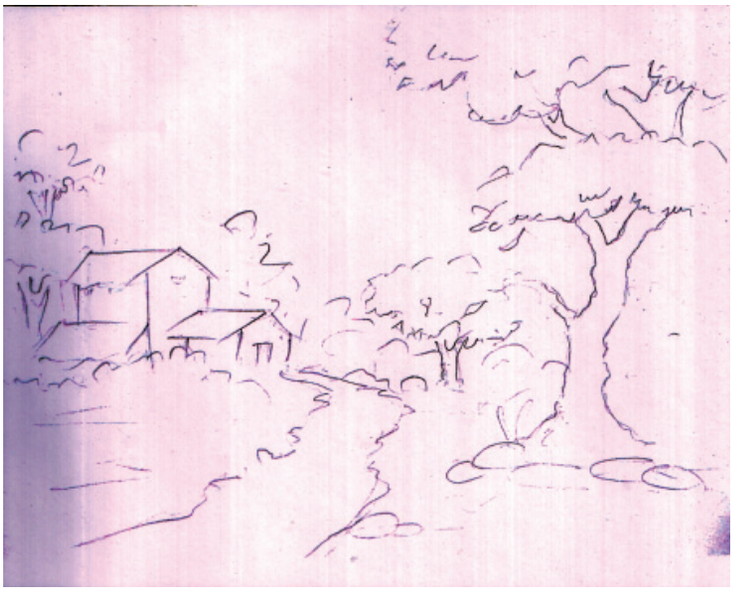

चित्र 4.11

चरण 2: सबसे पहले, झोपड़ियों और पेड़ों को छोड़कर पृष्ठभूमि और अग्रभूमि पर गोल ब्रश से रंगों की एक हल्की परत लगाएँ। फिर, विभिन्न रंगों, जैसे- नीला, अल्ट्रामरीन नीला, गहरा हरा, पीला गेरूआ, नींबू पीला, लाल आदि रंगों का उपयोग करें। (चित्र 4.12 देखें)

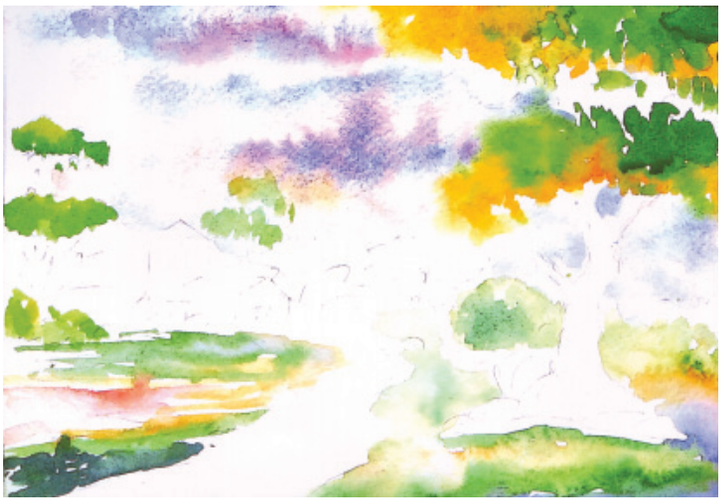

चित्र 4.12

चरण 3: अब झोपड़ियों, पेड़ों और नदी में मध्यम टोन से रंग भरें। (चित्र 4.13 देखें)

चित्र 4.13

चरण 4: संयोजन को पूरा करने के लिए गहरा टोन में उसी रंग का उपयोग करें। संयोजन को सुंदर बनाने के लिए विवरण जोड़े और शेडिंग करें। (चित्र 4.14 देखें)

चित्र 4.14

ज्यामितीय संयोजन

चरण 1: कागज पर त्रिकोण, वृत्त, आयत और अंडाकार आदि आकृतियों की सहायता से एक ज्यामितीय संयोजन बनाएँ। (चित्र 4.15 देखें)

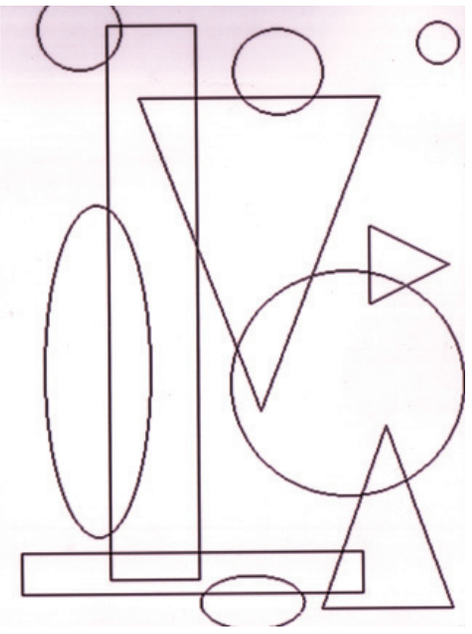

चित्र 4.15

चरण 2: संयोजन के कुछ हिस्सों में काले रंग का प्रयोग सावधानी से करें। (चित्र 4.16 देखें)

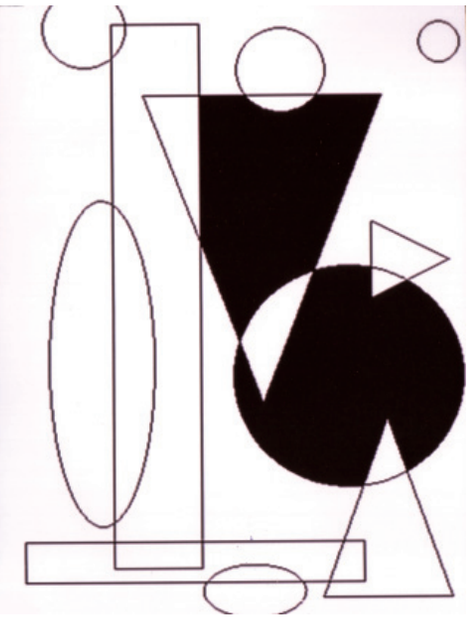

चित्र 4.16

चरण 3: संयोजन के अन्य बड़े हिस्सों पर काला रंग लगाएँ। (चित्र 4.17 देखें)

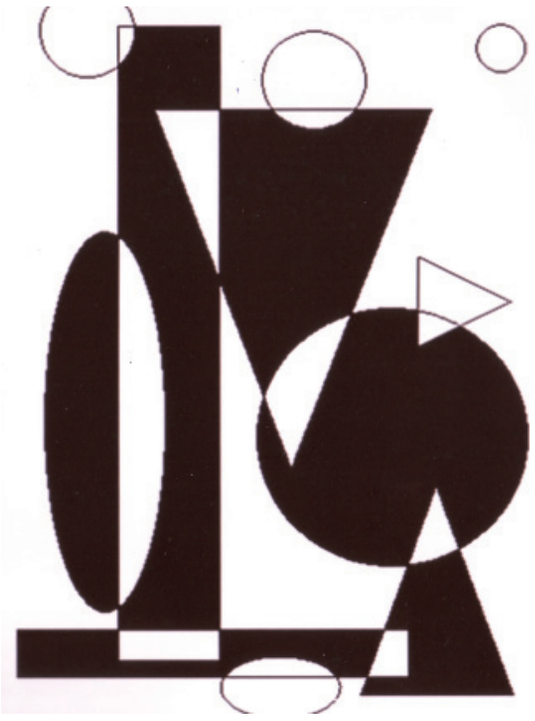

चित्र 4.17

चरण 4: शेष छोटे भाग में काला रंग भरकर रचना को पूरा करें। (चित्र 4.18 देखें)

चित्र 4.18

रंगीन ज्यामितीय संयोजन

रंगीन ज्यामितीय रूप

चरण 1: एक ड्राइंग शीट पर पेंसिल की मदद से एक रुचिपूर्ण पैटर्न और आकार बनाएँ। (चित्र 4.19 देखें)

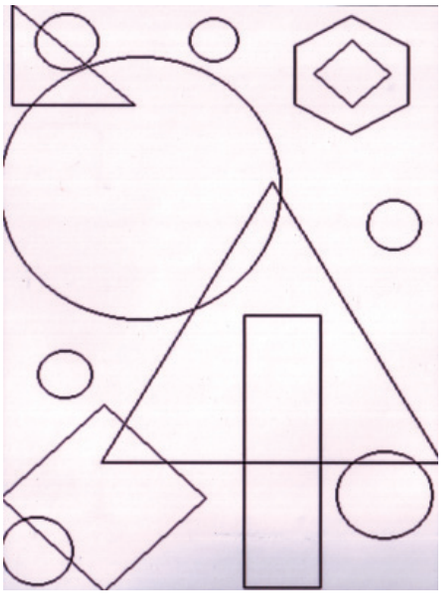

चित्र 4.19

चरण 2: संयोजन के बड़े हिस्सों पर अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग रंग भरें।

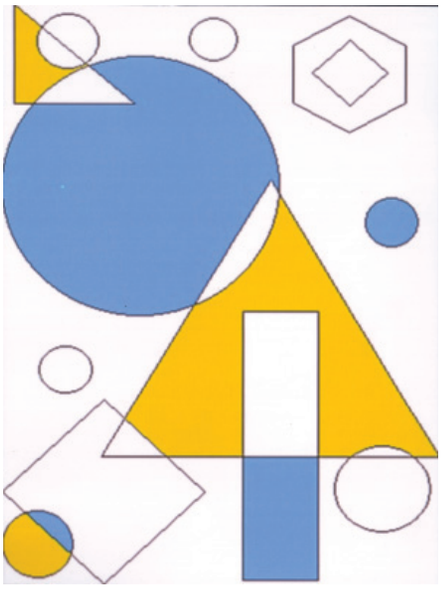

चित्र 4.20

चरण 3: चित्र 4.21 में दिखाए अनुसार बची हुई आकृतियों में गहरा रंग भरें।

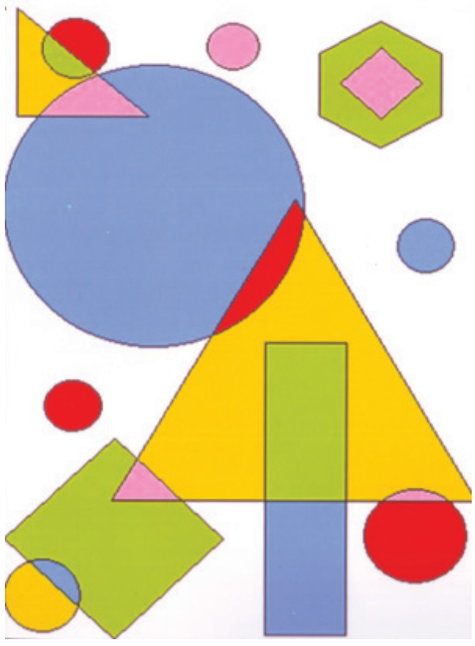

चित्र 4.21

चरण 4: संयोजन को पूरा करने के लिए, संयोजन की पृष्ठभूमि पर कोई भी गहरा रंग भरें। (चित्र 4.22 देखें)

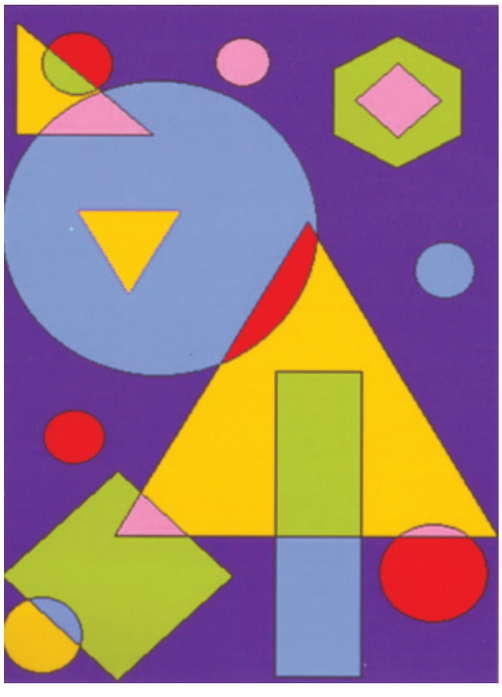

चित्र 4.22

आपने क्या सीखा

- एक रुचिपूर्ण संयोजन बनाने के लिए, आकृतियों, वस्तुओं जैसे विभिन्न तत्वों को एक स्थान पर एक साथ रखें।
- विभिन्न रूपों और रिक्त स्थान के बीच संबंध बनाएँ।
- संयोजन में रंग और रंगों में भिन्नता का अनुप्रयोग।
- पूर्ण और रिक्त स्थान के बीच संबंध।
- केंद्र बिंदु को उजागर करने पर जोर।
- प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक रंगों का प्रयोग।
- कलाकृति में संतुलन, लय और सामंजस्य बनाए रखा जाना।
- एक ज्यामितीय संयोजन आलंकारिक संयोजन और गैर-आलंकारिक संयोजन तैयार करना।

पाठांत प्रश्न

1. दो मानव और दो जानवरों की आकृतियों के साथ बाजार के दृश्य को दर्शाते हुए एक संयोजन तैयार करें और रंग भरें।
2. सूर्योदय को दर्शाने वाला एक रंगीन परिदृश्य बनाएँ।
3. नदी से पानी पीते हुए जानवरों (कम से कम दो) का एक संयोजन बनाएँ।
4. खाली और पूर्ण स्थान के बीच एक संबंध दिखाने के लिए काले और सफेद रंग में एक रुचिपूर्ण संयोजन बनाएँ।
5. किन्हीं दो प्रकार के संयोजनात्मक प्रारूप बनाएँ।

5

पोस्टर निर्माण

लक्ष्य

पोस्टर आधुनिक जीवन का एक हिस्सा है, इसलिए किसी भी संदेश को पोस्टर के माध्यम से अच्छी तरह से संप्रेषित किया जा सकता है। पोस्टर निर्माण हमेशा संप्रेषण के लिए एक उपयोगी माध्यम है।

परिचय

पोस्टर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में, कहीं भी देखे जा सकते हैं। यह जनता से संवाद करने का एक बेहद लोकप्रिय माध्यम है। पोस्टर सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और व्यक्तिगत हर तरह के संदेश देते हैं। उत्पादों का भी विज्ञापन पोस्टरों के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान समय में पोस्टर निर्माण लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। हालाँकि, इस कला को सीखकर एक पेशेवर पोस्टर निर्माता बनना आवश्यक नहीं है। पोस्टर-निर्माण किसी व्यक्ति को अभिव्यक्त करने वाला और बहिर्मुखी बनने में मदद कर सकता है। पोस्टर बनाने के लिए अधिक वस्तुओं और सामग्रियों की आवश्यकता नहीं होती है। एक पोस्टर बनाने के लिए एक शीट या कागज, स्याही, रंग और ब्रश पर्याप्त होते हैं।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- विभिन्न प्रकार के पोस्टरों के बीच अंतर कर सकेंगे;
- पोस्टर निर्माण के मूल गुणों की व्याख्या कर सकेंगे;
- ग्राफिक्स और अक्षरों के फॉन्ट का उपयोग कर सकेंगे;
- पोस्टरों में संकेतों और प्रतीकों का उपयोग कर सकेंगे;
- संप्रेषण की अवधारणा विकसित कर सकेंगे;
- विविध रंगों के प्रभाव को जान सकेंगे।

पोस्टर 1: स्थान से संबंधित विषय वाला पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

1. किसी भी चीज को पोस्टर या विज्ञापन बनाने के लिए सबसे पहले हमें उस विषय की संकल्पना अपने मन में करनी होगी; सबसे पहले विषय का एक मोटा खाका अपने मन में तैयार करें। फिर हम इसे कागज पर बनाना शुरू करें। जैसा कि नीचे चित्र 5.1 में दर्शाया गया है। विषय 'पधारो म्हारे देश' है, जो राजस्थान से संबंधित विषय है, इसलिए चित्रण तदनुसार करना होगा। वर्तमान चित्र में, मूंछों और राजस्थानी पगड़ी के साथ एक राजस्थानी व्यक्ति को देखा जा सकता है। इसके नीचे रेत पर राजस्थानी मेले का दृश्य देखा जा सकता है। बीच में एक आदमी को ऊँट के साथ दिखाया गया है। उनके सामने एक राजस्थानी महिला सिर पर मटका उठाए कुछ जानवरों के साथ चल रही है, ड्राइंग पूरी होने के बाद इसमें रंग भरने की आवश्यकता है। (चित्र 5.1 देखें)

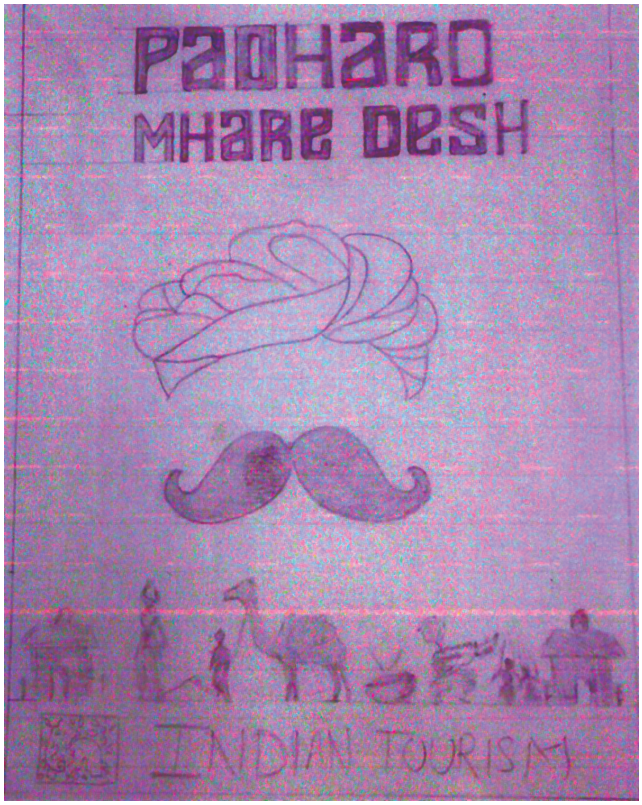

चित्र 5.1

2. आमतौर पर, पोस्टर रंगों का उपयोग ऐसे विषयों के लिए किया जाता है क्योंकि वे पारदर्शी नहीं होते हैं तथा इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त होते हैं और अच्छी प्रस्तुति देते हैं। उदाहरण के लिए, दूसरे चित्र में आप देख सकते हैं कि पहले चित्र का बैकग्राउंड पीले रंग से भर दिया गया है। एक बार जब पृष्ठभूमि रंगीन हो जाती है, तो शेष चित्र रंग से भरा जाता है। (चित्र 5.2 देखें)

चित्र 5.2

3. ड्राइंग को सपाट रंग से भरने के बाद, टोन और टेक्सचर के माध्यम से विवरण दिया जाता है। इससे चित्र में स्पष्टता आती है। जैसे चित्र 5.3 में दिखाया गया है।

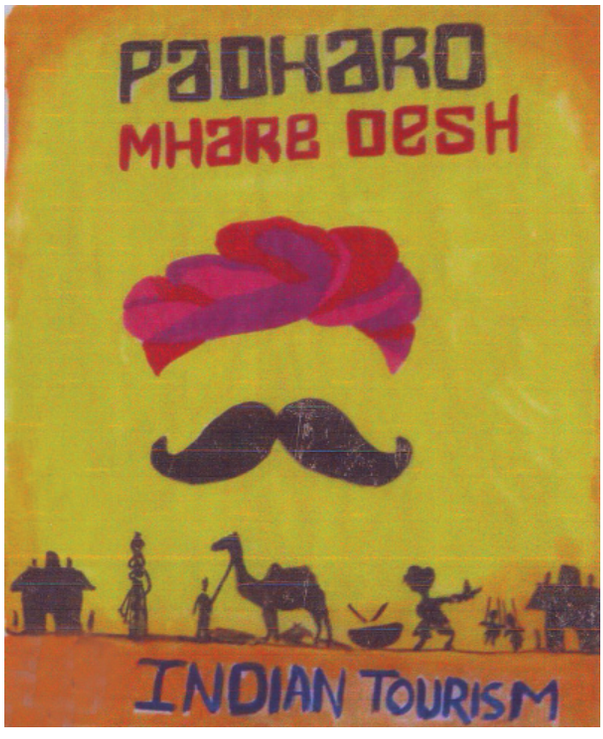

चित्र 5.3

4. एक बार चित्रण पूरा हो जाने पर, चौथा चरण अक्षर लिखने हैं। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र 5.4 से देखा जा सकता है। शीर्षक के रूप में 'पधारो म्हारे देश' लिखा हुआ है। चूँकि यह भारतीय पर्यटन का पोस्टर है, इसलिए नीचे दिए गए लोगो में भारतीय पर्यटन (Indian Tourism) लिखा हुआ है।

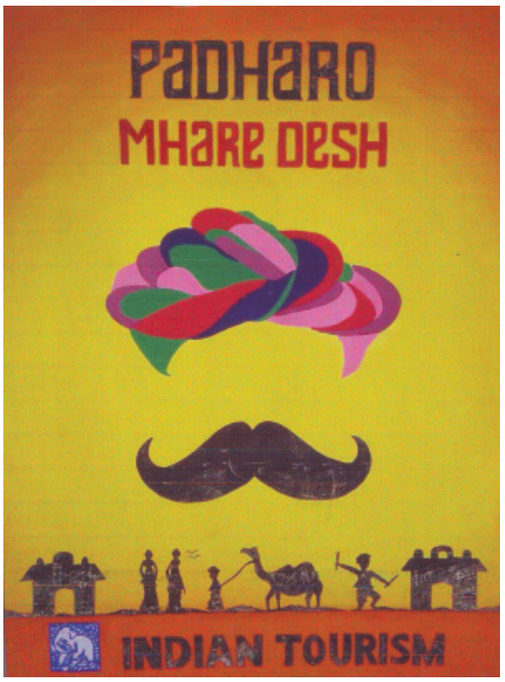

चित्र 5.4

पोस्टर 2: कला एवं संस्कृति से संबंधित पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

1. सबसे पहले, अपने मन में विषय वस्तु की संरचना की अवधारणा बनाएँ। फिर, एक पेंसिल का उपयोग करके इसकी रूपरेखा बनाएँ। जैसा कि आप चित्र में देख सकते हैं कि यहाँ केरल राज्य के 'कथकली' नाम से प्रसिद्ध नृत्य का चित्रण दिखाया गया है। चित्रण में केरल की पारंपरिक टोपी पहने हुए एक औरत को दिखाया गया है, जिसे देखकर हमारे मन में केरल के कथकली नृत्य का ख्याल आता है और ऐसा लगता है कि यह पोस्टर केरल के कथकली नृत्य से संबंधित है। (चित्र 5.5 देखें)

2. स्केच पूरा करने के बाद, कलाकार ने पृष्ठभूमि के लिए पीले और हरे रंग के मिश्रण का उपयोग किया। ऊपर की ओर पट्टी के रूप में गहरे हरे रंग का प्रयोग किया गया है। चेहरे पर सपाट हरा रंग और सिर के पहनावे में सपाट गहरे नारंगी रंग का प्रयोग किया गया है। (चित्र 5.6 देखें)

3. इसके बाद चेहरे को पूरा करने के लिए हरे रंग के अलग-अलग टोन का इस्तेमाल किया गया है। नाटकीय प्रभाव देने के लिए आँखों को काला रंग दिया गया है क्योंकि वे नृत्य

के दौरान विभिन्न भाव-भंगिमाएँ उत्पन्न करती हैं। मस्तक को पीले रंग से भरा गया है। जिस पर लाल पट्टी और सफेद कुमकुम है। सिर के पहनावे को हल्के लाल रंग से, उसके बाद गहरे लाल रंग से भरा गया है। सिर के पहनावे के मध्य क्षेत्र में प्रभामंडल (गोलाकार) के रूप में उपयोग किया गया गहरा हरा रंग सुंदर दिखता है। चेहरे के होठों पर मध्यम गुलाबी रंग सौंदर्यपूर्ण लगता है। (चित्र 5.7 देखें)

चित्र 5.5

चित्र 5.6

चित्र 5.7

चित्र 5.8

4. चित्रण पूरा करने के बाद शीर्ष भाग की गहरे हरे रंग की पट्टी पर 'अतुल्य भारत' शीर्षक लिखा हुआ है जो सुंदर दिखता है। चूँकि यह पोस्टर पर्यटन विभाग का है, इसलिए निचले हिस्से में हाथी का लोगो और उसके साथ 'भारतीय पर्यटन' लिखा हुआ है। शीर्ष पर हरी पट्टी से भारतीय पर्यटन (Indian Tourism) लिखा गया है, इसलिए दोनों सिरों के बीच संतुलन है। अब, पोस्टर तैयार है। चित्र 5.8 देखें)

पोस्टर 3: उत्पाद से संबंधित पोस्टर

पोस्टर डिजाइन करने की विधि

यहाँ हम एक उत्पाद से संबंधित पोस्टर बनाने पर चर्चा करेंगे। उत्पाद का नाम 'क्लासिक बटर' है। नीचे दिए गए चित्र में पेंसिल से बना मक्खन का एक पैकेट दर्शाया गया है। इसके नीचे बायीं ओर पैकेट से मक्खन निकला हुआ दिखाया गया है, दाहिनी ओर ब्रेड का एक टुकड़ा जिस पर मक्खन लगाया गया है दिखाया गया है। यहाँ यह बताने की कोशिश की जा रही है कि अगर ब्रेड के टुकड़े पर मक्खन लगाकर खाया जाए तो वह स्वादिष्ट लगता है। (चित्र 5.9 देखें)

चित्र 5.9

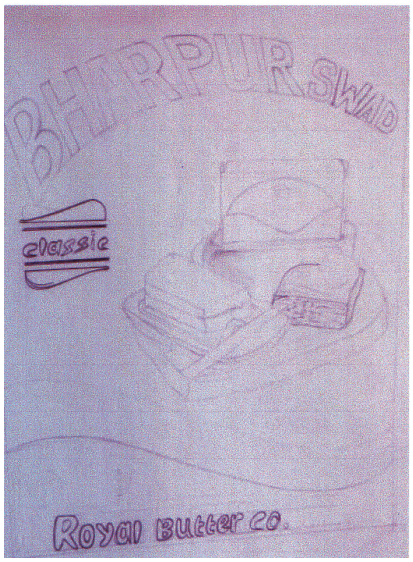

चित्र 5.10

चित्र 5.11

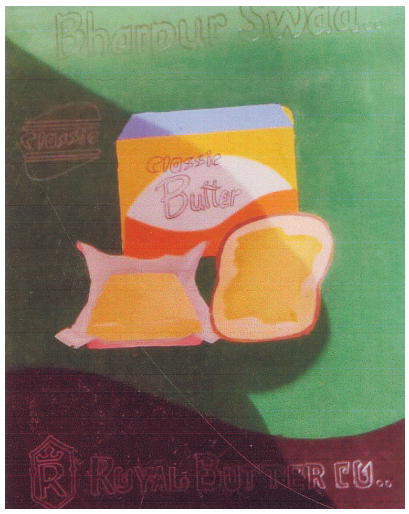

चित्र 5.12

चित्र 5.13

चित्र 5.14

दूसरे चरण चित्र में देखा जा सकता है कि उत्पाद में सपाट रंग भर दिया गया है। (चित्र 5.10 देखें)

तीसरे चरण के चित्र से पता चलता है कि पृष्ठभूमि को हरे रंग से भर दिया गया है। फिर ऊपरी ओर निचले हिस्से को काले रंग से भर दिया जाता है। उत्पाद का रंग टोनिंग और टेक्सचरिंग द्वारा पूरा किया जाता है। (चित्र 5.11 देखें)

चौथे चरण में पोस्टर में अक्षर लिखने हैं। जैसा कि चित्र में देखा जा सकता है कि सबसे ऊपर 'भरपूर स्वाद' शीर्षक लिखा हुआ है। इसे पढ़ने के बाद, हम इस बात को लेकर उत्सुक होते हैं कि यह स्वादिष्ट स्वाद देता है। चित्रण देखने पर पता चलता है कि यह क्लासिक बटर है (चित्र 5.11 देखें)। पोस्टर के नीचे कंपनी का लोगो और नाम दिया गया है। अब पोस्टर तैयार है। (चित्र 5.12 देखें)

पाठांत प्रश्न

दिए गए विषयों पर पोस्टर बनाएँ :

1. वृक्षारोपण
2. प्रौढ़ शिक्षा
3. स्वच्छ भारत, सुंदर भारत
4. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

6

बनावट (टेक्सचर) और छपाई करना

लक्ष्य

तकनीकी अनुप्रयोग के साथ ड्राइंग और पेंटिंग में वस्तुओं में स्पर्शता का गुण लाना।

परिचय

चाहे वह कला का वास्तविक कार्य हो या अमूर्त कला, दर्शक को विषय संबंधी अनुभूति देने के लिए कलाकार कला के क्षेत्र में सभी प्रकार के दृष्टि भ्रमों का उपयोग करते हैं। किसी कलाकृति की स्पर्शता का गुण वह है जो केवल देखने पर ही स्पर्श का एहसास करा दे। चित्रकार बनावट (टेक्सचर) के निर्माण के लिए कई तकनीकों, उपकरणों और सामग्रियों का उपयोग करते हैं।

इसके लिए एसिड और गॉज की मदद से प्लेटों में हेरफेर करके बनाबट (टेक्सचर) बना सकता है। विभिन्न अनुपात में एसिड और दिशा के प्रयोग से या धातु की प्लेट को भिगोने से प्रिंट की कोई भी बनावट (टेक्सचर) मिल सकती है। इसलिए एक चित्रकार और मुद्रणकर्ता के रूप में, इन उपकरणों और सामग्रियों का उपयोग सीखना बहुत महत्वपूर्ण है।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- बनावट (टेक्सचर) का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे;
- पेंटिंग की सतह पर विभिन्न प्रकार की बनावट (टेक्सचर) का उपयोग कर सकेंगे;
- बनावट (टेक्सचर) बनाने के लिए उपकरणों और सामग्रियों को पहचान सकेंगे;
- समझा सकेंगे कि मुद्रणकला में बनावट (टेक्सचर) कैसे हासिल की जाती है;
- छपाई करने में बनावट (टेक्सचर) प्राप्त करने के लिए एसिड की भूमिका प्रस्तुत कर सकेंगे;
- वांछित बनावट (टेक्सचर) प्राप्त करने के लिए छपाई में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की पहचान कर सकेंगे।

बनावट (टेक्सचर) के प्रकार

बनावट (टेक्सचर) का अर्थ है किसी वस्तु का आभास, स्वरूप या स्थिरता। बनावट (टेक्सचर) को मुख्यत: तीन प्रकारों में विभाजित किया गया है :

1. **प्रकृति से बनावट :** पत्तियाँ, पेड़ का तना, पत्थर आदि।
2. **मानव निर्मित बनावट :** बनावट वाला कपड़ा, लोहे का जाल, विभिन्न प्रकार की बुनाई आदि।
3. **रचनात्मक बनावट :** विभिन्न कला सामग्री और माध्यमों, जैसे- चारकोल, ऑयल पेस्टल, क्रेयान, ऑयल कलर और वॉटर कलर की मदद से और उन्हें एक दूसरे के साथ मिलाकर बनाना।

छपाई (पिंटिंग) का अर्थ है ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, फलों और सब्जियों की प्रिंटिंग आदि के माध्यम से उच्च गुणवत्ता में पुन: प्रस्तुत करना।

ब्लॉकों के माध्यम से मुद्रण

- किसी भी मुद्रण को बनाने के लिए हमें सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचना चाहिए जिसे हम विभिन्न प्रकार के बनावट (टेक्सचर) का उपयोग करके बनायेगे। फिर हमें कागज पर लेआउट बनाना होगा और मुद्रण के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र करनी होगी।

  जैसा कि चित्र 6.1 और 6.2 में दिखाया गया है, हमें अलग-अलग डिज़ाइन वाले ब्लॉक, रंग, ब्रश ओर शीट की आवश्यकता है। सुंदर डिज़ाइन वाला रूमाल बनाने के लिए हम एक कपड़ा भी ले सकते हैं।

- सबसे पहले, हम एक ब्लॉक लेते हैं और इसे ब्रश की मदद से रंगते हैं और इसे एक शीट या कपड़े पर चिपका देते हैं (चित्र 6.1 देखें)
- दूसरा, हम एक अलग ब्लॉक लेते हैं और अलग-अलग रंगों से ऐसा ही करते हैं। (चित्र 6.2 देखें)

चित्र 6.1

चित्र 6.2

- अंत में, हमारे पास कागज या रूमाल पर बनी हुई एक सुंदर डिजाइन है। (चित्र 6.3 देखें)

चित्र 6.3

आलू से बनावट (टेक्सचर) निर्माण

- सबसे पहले, हम एक बड़ा आलू, ब्रश और रंग लेते हैं (चित्र 6.4 देखें)।

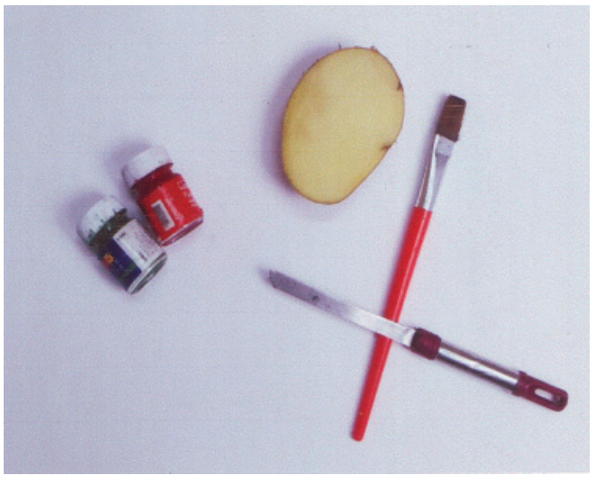

चित्र 6.4

- अब, आलू को दो बराबर भागों में काट लें और आलू के अंदर चाकू या किसी नुकीली चीज से अपनी पसंद का डिज़ाइन बना लें (चित्र 6.5 और 6.6 देखें)।

चित्र 6.5

चित्र 6.6

- अब डिज़ाइन में रंग डालें। इसे एक शीट पर प्रिंट करें, फिर एक ब्रश और नीला रंग लेकर उससे तरंगें बनाएँ और एक सुंदर डिजाइन याा रचना बनाएँ।

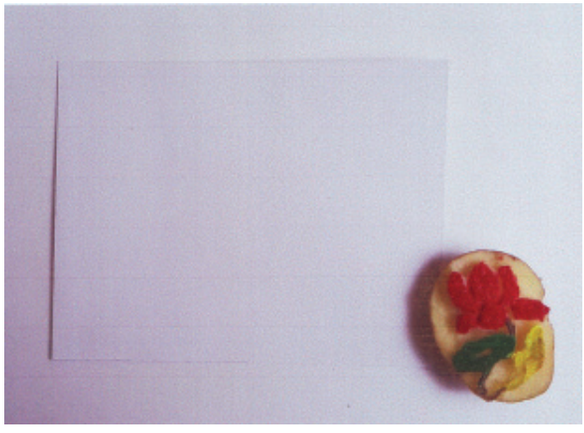

चित्र 6.7

- अंत में हमें एक सुंदर संयोजन प्राप्त होता है।

चित्र 6.8

भिंडी से बनावट (टेक्सचर) निर्माण

- किसी भी प्रकार की प्रिंटिंग बनाने के लिए हमें सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचना चाहिए जिसे हम विभिन्न प्रकार की बनावटों का उपयोग करके बनाएंगे। इसके लिए हमें कागज पर एक ले-आउट बनाना होगा और छपाई के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र करना होगी।

चित्र 6.9

चित्र 6.10

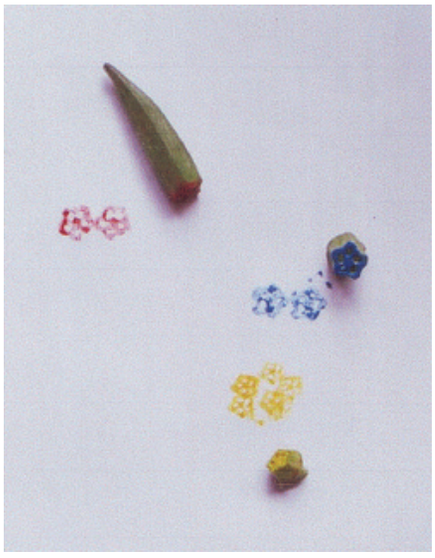

चित्र 6.11

चित्र 6.12

- जैसा कि आप दिए गए चित्र 6.9 में देख सकते हैं, हमें भिंडी, रंग, ब्रश और शीट की आवश्यकता है।
- सबसे पहले, हम एक भिंडी लेते हैं और भिंडी की अंदरूनी बनावट प्राप्त करने के लिए इसे बीच से काटते हैं (चित्र 6.10 देखें)।

- अब, हमें कटी हुई भिंडी पर अलग-अलग रंग लगाने होंगे, उसे एक शीट पर प्रिंट करना होगा और उससे सुंदर फूल और तितलियाँ बनानी होंगी (चित्र 6.11 देखें)।
- फिर, हम फूलों के तने और पत्तियाँ बनाने के लिए एक ब्रश और हरा रंग लेते हैं। अंत में, हमारे सामने बगीचे में फूलों और तितलियों का एक सुंदर दृश्य प्राप्त होता है (चित्र 6.12 देखें)।

धागे से बनावट (टेक्सचर) निर्माण

- किसी भी प्रिंट को बनाने के लिए हमें सबसे पहले उस विषय के बारे में सोचना चाहिए जिसे हम विभिन्न बनावटों का उपयोग करके बनाएंगे (चित्र 6.13 देखें)। इसके लिए हमें कागज का एक लेआउट बनाना होगा और छपाई के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र करनी होगी।
- जैसा कि आप दिए गए चित्र 6.14 में देख सकते हैं, हमें सूती धागे, रंग, ब्रश और शीट की आवश्यकता है।

चित्र 6.13

- सबसे पहले, हम सूती धागा लेते हैं और उसे रंग में डुबोते हैं (चित्र 6.15 देखें)।

चित्र 6.14

चित्र 6.15

- अब, हम रंगीन धागे को स्वतंत्र रूप से शीट पर रखते हैं। फिर हम धागे पर एक शीट डालते हैं ओर अपने हाथों का उपयोग करके शीट पर थोड़ा दबाव डालते हैं और धागे को नीचे की और खींचते हैं।
- अंत में, हमें धागे को खींचने के बाद एक सुंदर डिज़ाइन प्राप्त होता है (चित्र 6.16 देखें)।

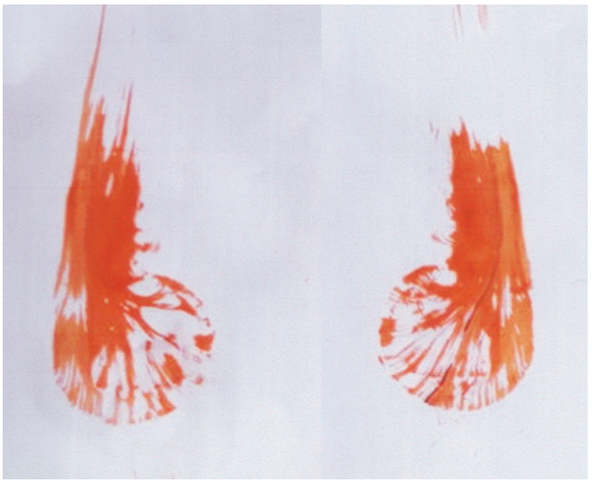

चित्र 6.16

पत्तों से बनावट (टेक्सचर) निर्माण

- किसी भी प्रकार की छपाई करने के लिए हमें सबसे पहले यह सोचना चाहिए कि विभिन्न प्रकार की बनावटों का उपयोग करके हम किस विषय पर छपाई करेंगे। इसके लिए हमें कागज पर एक लेआउट बनाना होगा और छपाई के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र करनी होगी।
- जैसा कि आप दिए गए चित्र 6.17 में देख सकते हैं, हमें पत्तियों, रंगों, ब्रशों और चादरों की आवश्यकता है।

चित्र 6.17

- सबसे पहले, हम एक पत्ता लेते हैं और उसके बनावट वाले हिस्से को किसी भी रंग से रंग देते हैं।
- अब, हम रंगीन पत्ती को शीट पर रखते हैं और अपने हाथों से पत्ती पर दबाव डालते हैं (चित्र 6.18 और 6.19 देखें)।

चित्र 6.18

चित्र 6.19

- फिर कागज से पत्ते को उठाकर हम रंगीन पत्ते की छाप प्राप्त कर सकते हैं। अंत में, हमें पत्तियों का एक सुंदर डिज़ाइन प्राप्त होता है (चित्र 6.20 देखें)।

चित्र 6.20

करेले से बनावट (टेक्सचर) निर्माण

- हमें कागज पर एक लेआउट बनाना होगा और छपाई के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र करनी होगी। जैसा कि आप तस्वीरों में देख सकते हैं, हमें करेले, रंग, ब्रश और चादर की जरूरत है।
- सबसे पहले, हम एक करेला लेते हैं और करेले की अंदरूनी बनावट पाने के लिए इसे बीच से दो भागों में काटते हैं। (चित्र 6.21 देखें)

चित्र 6.21

- अब, हमें कटे हुए करेले पर अलग-अलग रंग लगाना है, उसे एक शीट पर प्रिंट करना है और सुंदर फूलों का गुलदस्ता बनाना है। (चित्र 6.22 देखें)

चित्र 6.22

- फिर बाकी चीजें बनाने के लिए हम ब्रश लेते हैं। अंत में, हमें एक सुंदर फूलों का गुलदस्ता प्राप्त होता है (चित्र 6.23 देखें)।

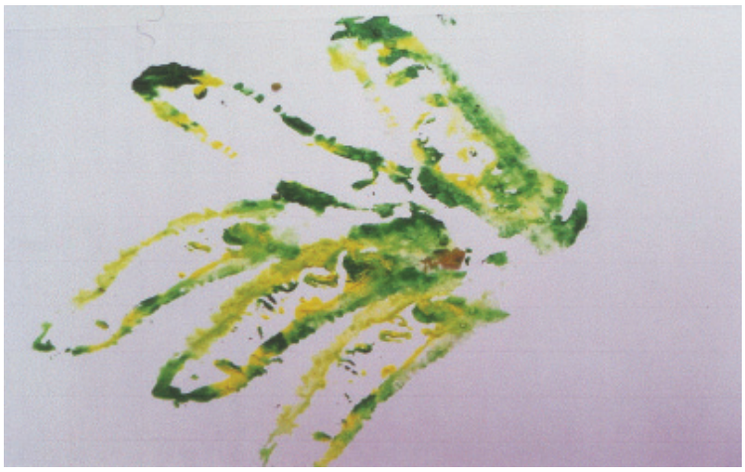

चित्र 6.23

आपने क्या सीखा

- कलाकृति को स्पर्शता के गुण का बोध।
- छपाई करने वाला प्लेटों में हेरफेर करके बनावट (टेक्सचर) बना सकता है।
- चित्रकार द्वारा औजारों और समग्रियों का उपयोग सीखना।
- विभिन्न कला सामग्रियों और माध्यमों की सहायता से बनावट बनाना।
- विभिन्न प्रकार की सब्जियों की सहायता से मुद्रण करना।

पाठांत प्रश्न

1. विभिन्न सब्जियों और पोस्टर के साथ पुष्प रूपांकनों (मोटिफ) की एक रचना तैयार करें और रंग भरें।
2. रंगीन पत्तियों की मदद से खूबसूरत प्रिंट बनाएँ।
3. सूती धागे, रंग और ब्रश की मदद से एक सफेद चादर में एक बनावट (टेक्सचर) बनाएँ।
4. A4 साइज की शीट पर भिंडी से एक रंगीनचित्र वाला डिजाइन बनाएँ।

7

कोलाज निर्माण

लक्ष्य

विभिन्न माध्यमों और सामग्रियों को इकट्ठा कर एक कलाकृति बनाना तथा उसके तकनीक का अध्ययन करना।

परिचय

कोलाज निर्माण विभिन्न माध्यमों और सामग्रियों को चिपकाने या संयोजित करने की एक तकनीक है। कोलाज के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे- फोटोमॉन्टेज, 3डी कोलाज और डिजिटल कोलाज। अधिकांश कोलाज जो हम देखते हैं वे आमतौर पर समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और यहाँ तक कि कुछ हद तक लोगों द्वारा मूल रूप से बनाई गई चीजों और चित्रों के पाठ और चित्रों के टुकड़ों और प्रेस से निर्मित होते हैं। इस कला के अभ्यास को तब प्रमुखता मिली जब 'फोटोमॉन्टेज' शब्द खोजा गया। यहाँ समग्र चित्र बनाने के लिए विभिन्न तस्वीरों के चयन या तस्वीरों के हिस्सों का उपयोग किया जाता है। आजकल डिजिटल रूप से कोलाज निर्माण छवि संपादन सॉफ्टवेयार का उपयोग करके की जा सकती है।

कोलाज बनाने हेतु समग्र रूप से एक नई वस्तु बनाने के लिए तीन-आयामी वस्तुओं का उपयोग है, जिसे 3-आयामी कोलाज के रूप में भी जाना जाता है। डिजिटल क्रांति और व्यापक सॉफ्टवेयर के कारण, कोलाज बनाने का एक और परिप्रेक्ष्य देखा जा सकता है, जो कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के कारण अधिक सुलभ होता जा रहा है, यानी कोलाज बनाने में कंप्यूटर का उपयोग करने की तकनीक। इस प्रायोगिक पाठ में हम तीन प्रकार के कोलाज बनाने की प्रक्रिया सीखेंगे।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- विभिन्न प्रकार की कोलाज-निर्माण प्रक्रियाओं के बीच अंतर कर सकेंगे;
- विभिन्न प्रकार की तस्वीरों और अन्य सामग्रियों के साथ एक संयोजन व्यवस्थित कर सकेंगे;

- संयोजन के लिए विभिन्न प्रकार की 3डी सामग्री और विभिन्न विषयों को समझ सकेंगे;
- किसी पत्रिका, समाचार पत्र आदि से रंगीन कागज का उपयोग करके टोनल मूल्य और गुणबत्ता युक्त कलाकृति का निर्माण कर सकेंगे;
- विभिन्न माध्यमों और स्थानों पर त्रि-आयामी व्यवस्था तकनीक और चिपकाने की तकनीक का विश्लेषण कर सकेंगे।

पेपर चिपकाने का कोलाज

चरण 1: पेपर कोलाज बनाने के लिए, चित्र के अनुसार पेन, पेंसिल या मार्कर के माध्यम से अपनी पसंद के वस्तुओं को बनाएँ।

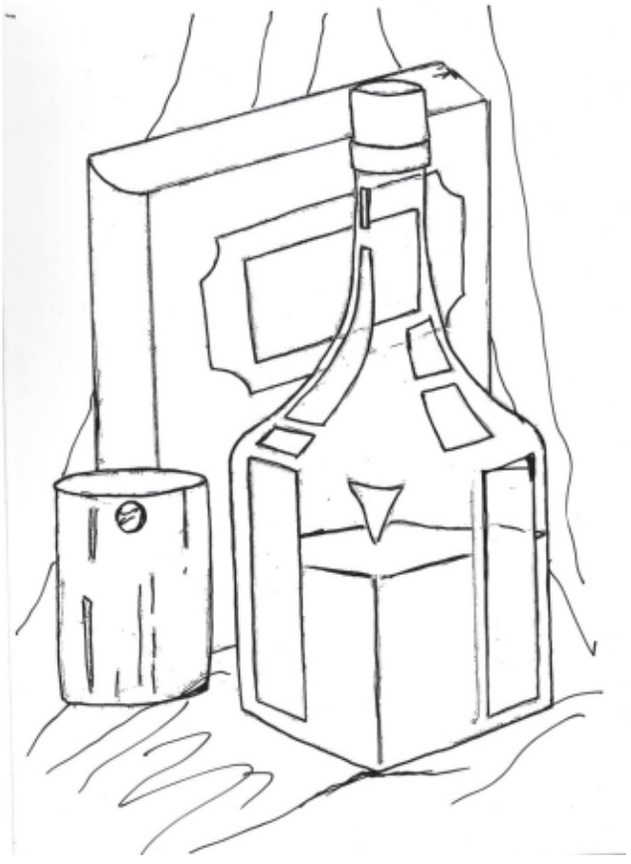

चित्र 7.1

चरण 2: अपनी आकृति पर रंग लगाएँ, और आप उनके विशेष क्षेत्र में रंगों का नाम लिख सकते हैं, जिससे एक सुंदर कोलाज बनाने के लिए रंगीन कागज चिपकाना आसान हो जाएगा। अब किसी मैगजीन, अखबार आदि से रंगीन कागज लें। उसके बाद अपने कोलाज की सतह को गोंद लगाकर चिपचिपा बना लें, फिर अपने कागज के टुकड़ों को अपने ड्राइंग क्षेत्र पर चिपका दें जैसा कि चित्र 7.2 में दिखाया गया है।

चित्र 7.2

चरण 3: हमें रंगीन कागज चिपकाना चाहिए और इसे संयोजन की आवश्यकता के अनुसार शेष स्थान पर लगाना चाहिए। अब कोलाज की आकृतियाँ तैयार हैं (चित्र 7.3 देखें)।

चित्र 7.3

चरण 4: इस चरण में, कोलाज को पूरा करने के लिए रंगीन कागज के टुकड़ों को पृष्ठभूमि पर चिपकाएँ (चित्र 7.4 देखें)।

चित्र 7.4

मिश्रित सामग्री निर्मित कोलाज

अब हम मिश्रित सामग्री से एक कोलाज तैयार करते हैं।

मिश्रित सामग्री कोलाज के लिए, आपको आवश्यकतानुसार एक एचबी पेंसिल, गोंद, अवशिष्ट सामग्री, कपड़ा, सॉफ्ट बोर्ड, हार्डबोर्ड, प्लास्टिक की पत्तियां, लकड़ी की छड़ें और अन्य सजावटी वस्तुओं की आवश्यकता होगी।

चरण 1: विषय के अनुसार पेन या पेंसिल से पहाड़, नदी, आकाश, झोपड़ी आदि की आकृति बनाएँ, जैसा चित्र 7.5 में दिखाया गया है।

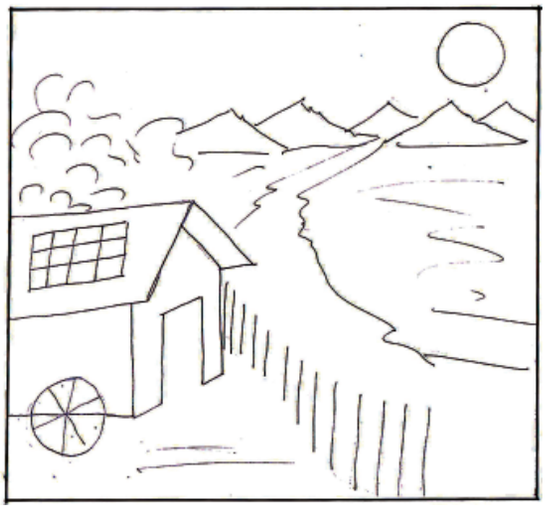

चित्र 7.5

चरण 2: अब आप कोलाज की सतह पर गोंद को फैलाएँगे और फिर अवशिष्ट (बेकार) सामग्री (जैसे सॉफ्ट बोर्ड, प्लास्टिक, पत्ते, घर और पहाड़) को ड्राइंग शीट पर चिपका देंगे (चित्र 7.6 देखें)

चित्र 7.6

चरण 3: अब चित्र के अनुसार भूमि क्षेत्र को कपड़े और जूट समग्री से ढ़ँक दें। (चित्र 7.7)। आप कोलाज की आवश्यकता के अनुसार स्ट्रो के टुकड़ों का भी उपयोग कर सकते हैं।

चित्र 7.7

चरण 4: कोलाज के शेष स्थानों पर अवशिष्ट पदार्थ और रंग चिपकाकर कोलाज पूरा करें। कोलाज के अनुसार प्लास्टिक पॉली पेपर और लकड़ी की छड़ी को नदी के किनारे चिपका दें। अब अपने कोलाज को पूरा करने के लिए रिक्त स्थान में रंग भर दें। (चित्र 7.8 देखें)

चित्र 7.8

फोटो/छवि कोलाज

फोटो कोलाज के लिए आपको अखबार, मैगजीन पेपर, किताबें, गोंद, विभिन्न छवियों और तस्वीरों की आवश्यकता होगी।

चरण 1: कोलाज की सतह पर अखबार के टुकड़े चिपकाएँ, फिर बंजर भूमि दिखाने के लिए कागज के टुकड़े चिपकाएँ।

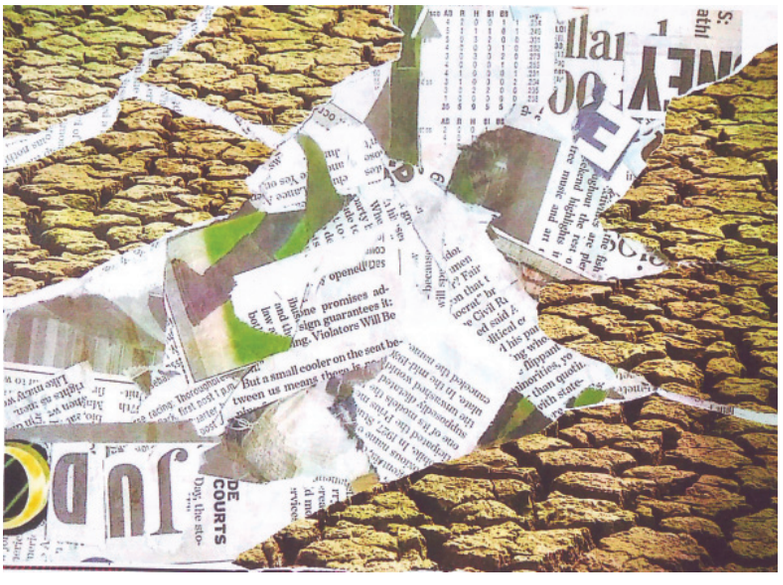

चित्र 7.9

चरण 2: कोलाज में पृष्ठभूमि क्षेत्र को पूरा करने के लिए, बंजर भूमि दिखाने वाले कागज के सभी टुकड़ों को चिपकाएँ (चित्र 7.10 देखें)

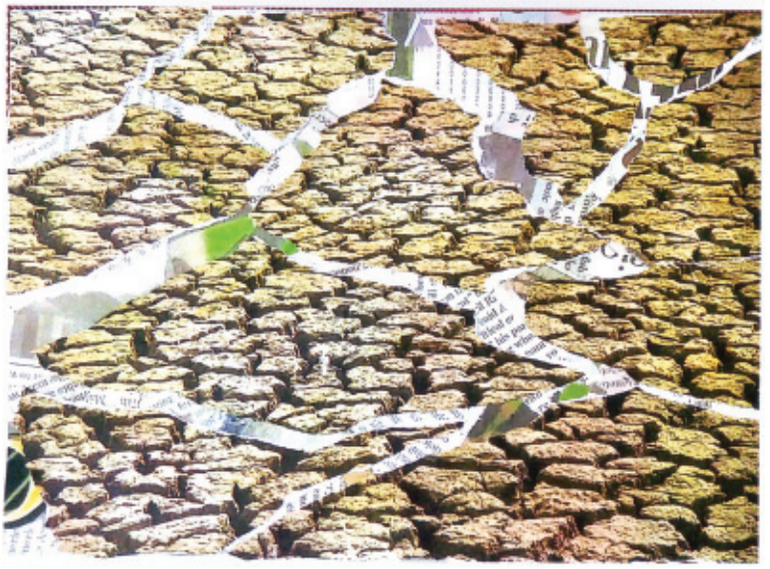

चित्र 7.10

चरण 3: पृष्ठभूमि क्षेत्र पूरा करने के बाद, चित्र चिपकाएँ और कोलाज की रूपरेखा बनाएँ।

चित्र 7.11

चरण 4: अंत में, कोलाज को पूरा करने के लिए शेष सभी चित्रों को चिपकाएँ। चित्र 7.12 देखें)

चित्र 7.12

आपको चीजों को सटीक तरीके से चिपकाना चाहिए ताकि चित्र संतुलित हो जाए।

आपने क्या सीखा

- सामान्य तौर पर, हम छिद्रों की मदद से और फोटो, टेक्स्ट आदि को चिपकाकर एक कोलाज बनाा सकते है।
- डिजिटल माध्यम से कोलाज आसानी से बनाया जा सकता है।
- पेपर चिपकाकर कोलाज तैयार करना।
- छवि कोलाज बनाने की विधि।

पाठांत प्रश्न

1. अपने घर पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके एक कोलाज बनाएँ।
2. केवल काले और सफेद कागज की सहायता से एक पेपर कोलाज बनाएँ।
3. मनुष्यों और जानवरों की रंगीन तस्वीरों का उपयोग करके एक रंगीन कोलाज बनाएँ।
4. फोटोमॉन्टेज क्या है? उदाहरण सहित विवरण दीजिए।

8

ग्राफिक डिज़ाइन-हस्त निर्मित तथा डिजिटल

लक्ष्य

किसी विचार या संदेश को चित्रात्मक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए छवियों, प्रतीकों और टाइपोग्राफी को व्यवस्थित करना।

परिचय

ग्राफिक डिज़ाइन एक दृश्य संचार है जो दर्शकों तक जानकारी पहुँचाता है। ग्राफिक डिज़ाइनरों के लिए यह एक वास्तविक चुनौती है कि वे दृश्य छवियों और पाठ को रचनात्मक संभावनाओं के साथ कैसे जोड़ेंगे। आधुनिक तकनीक के कारण, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा इत्यादि जैसे सॉफ्टवेयर के साथ उपकरण हस्त निर्मित (मैन्युअल) डिज़ाइन तथा डिजिटल डिज़ाइन में बदल गए हैं। हम विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से लोगो, ग्रीटिंग कार्ड, पुस्तक कवर आदि के डिज़ाइन बनाने में मैन्युअल और डिजिटल डिज़ाइन के तरीकों के उपयोग को सीखेंगे और इन दोनों विधि यों के बीच के अंतर को जानेंगे। डिज़ाइनर को यह ध्यान रखना होगा कि वह मैन्युअल रूप से काम करे या डिजिटल रूप से उसको एकमात्र उद्देश्य कला के माध्यम से संदेशों को रचनात्मक ढंग से संप्रेषित करना है।

इस प्रायोगिक पाठ में, हम डिजिटल मीडिया के संचालन और संदेश को रचनात्मक कला के रूप में प्रस्तुत करना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- टाइपोग्राफी के साथ छवियों को शामिल करने का कौशल विकसित कर सकेंगे;
- संदेशों को रचनात्मक कला के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे;

- किसी कलाकृति के मैन्युअल और डिज़िटल प्रस्तुति के बीच अंतर कर सकेंगे;
- सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डिजिटल कौशल विकसित कर सकेंगे;
- किसी पेंटिंग और डिज़ाइन में मैन्युअल और डिजिटल तकनीकों के उपयोग में अंतर कर सकेंगे;
- मैन्युअल और डिजिटल रूप से ग्रीटिंग कार्ड, लॉग और बुक कवर डिज़ाइन बना सकेंगे।

हमारे पक्षी/अमन

बुक कवर डिज़ाइना बनाने की विधि

1. सबसे पहले, जिस विषय पर पुस्तक का कवर बनाना है, उसकी एक परिकल्पना अपने दिमाग में तैयार कर लें। पेंसिल का उपयोग करके कागज पर चित्र बनाएँ। जैसा कि आप चित्र 8.1 में देख सकते है, यह एक पक्षी का चित्र है। पुस्तक में लेखक ने पक्षियों के जीवन, खान-पान आदि का वर्णन किया है, इसलिए पुस्तक का शीर्षक 'हमारे पक्षी' दियचा गया है। कलाकार ने इसे कवर डिज़ाइन में दिखाया है।

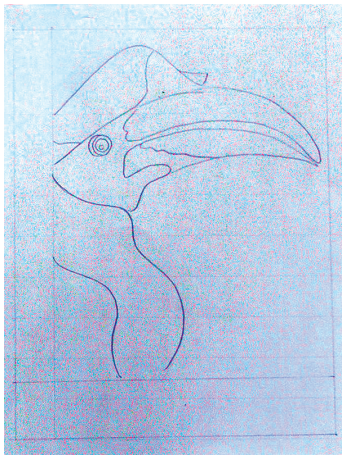

चित्र 8.1

चित्र 8.2

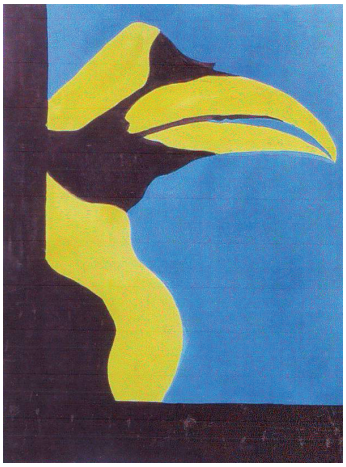

चित्र 8.3

चित्र 8.4

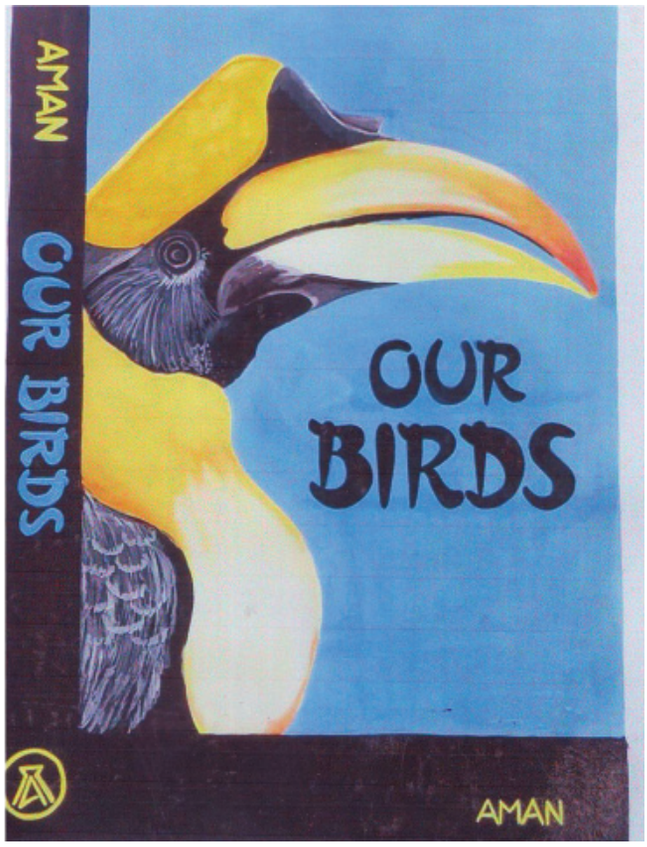

चित्र 8.5

2. कलाकार ने पेंसिल से स्केच पूरा करने के बाद उसमें सपाट रंग भर दिया। पृष्ठभूमि को नीले रंग से भर दिया गया है, जो संभवत: आकाश और उसकी गहराई को दर्शाता है। इसके बाद, कलाकार पक्षी को सपाट पीले और काले रंग में भरता है। कवर के निचले भाग को भी काले रंग से भरा गया है।

3. सपाट रंग भरने के बाद, कलाकार टोन और बनावट (टेक्सचर) का उपयोग करके चित्रण को छायांकित करता है। सबसे पहले, वह नारंगी रंग का थोड़ा सा उपयोग करके सपाट पीले रंग को गहरा करता है और छायांकन शुरू करता है, जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है। फिर चित्रण के विवरण के लिए गहरे रंग के लिए ठोस पीले रंग में कुछ और नारंगी रंग मिलाया जा है। उसी तरह, चित्रण में पक्षी का काला भाग भी भूरे रंग के विभिन्न टोन का उपयोग करके पूरा किया गया है। चित्रण अब पूरा हो गया है, जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है।

4. एक बार चित्रण पूरा हो जाने पर, अक्षरों का लेखन पूरा हो जाता है। कुछ लोग ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करते हैं, लेकिन अनुभवी कलाकार सीधे शब्द लिखते हैं। जैसा कि आप चित्र में देख सकते हैं। शीर्षक 'हमारे पक्षी' काले रंग में लिखा गया है और अच्छी तरह से परिभाषित दिखता है। पीले रंग को संतुलित करने के लिए कलाकार ने लोगो और लेखक के नाम के लिए पीले रंगे का उपयोग किया है। इस तरह पाठक की नजरें एक जगह नहीं रूकेंगी और वह किताब का पूरा कवर देखने के लिए उत्सुक रहेगा।

भारत की एक झलक/राम प्रसाद

बुक कवर डिज़ाइन बनाने की विधि

किसी भी विषय पर चित्रण करने के लिए सबसे पहले हमें अपने दिमाग में विषय की एक परिकल्पना बनानी होगी। फिर उसके अनुसार कागज पर एक लेआउट बनाया जाएगा। जैसा कि आप नीचे दिए चित्रों में देख सकते हैं। पुस्तक का कवर बनाने की प्रक्रिया चल रही है। किताब का नाम 'भारत की झलक' और इसमें भारत के तीन महत्वपूर्ण स्मारक देखे जा सकते हैं, जिनके नाम हैं-इंडिया गेट, लाल किला और लोटस टेम्पल जो भारत की भव्यता में चार चाँद लगाते हैं। (चित्र 8.6 और 8.7 देखें)

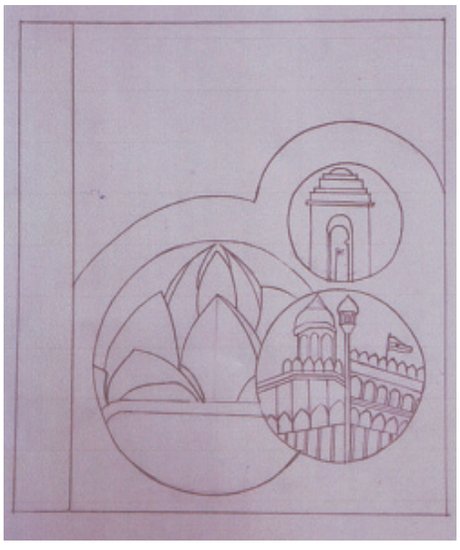

चित्र 8.6

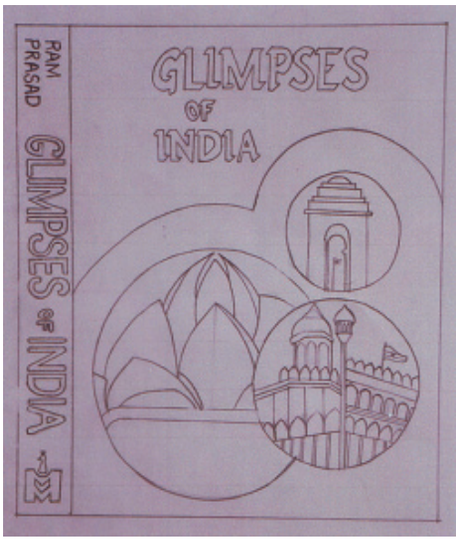

चित्र 8.7

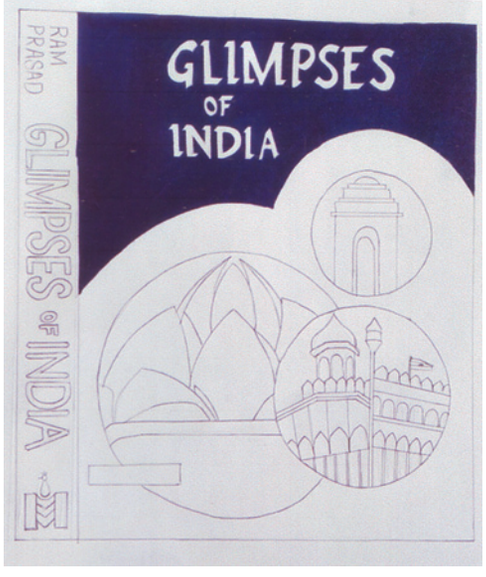

चित्र 8.8

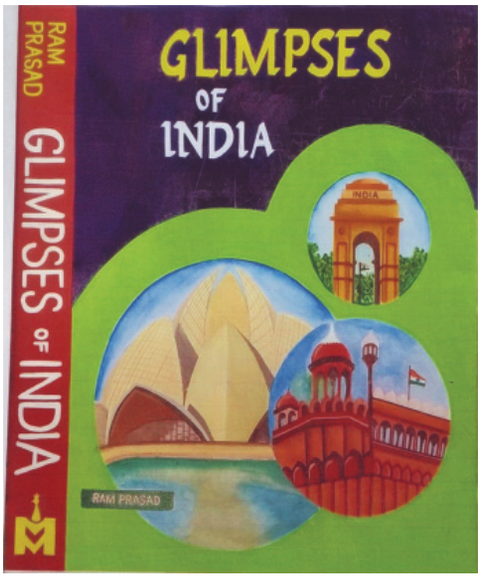

चित्र 8.9

ड्राइंग पूरी होने के बाद, कलाकार अक्षर लिखना शुरू करता है। ग्राफ के माध्यम से अक्षर लिखने की प्रक्रिया आगे दी गयी है। एक बार अक्षर लिखे जाने के बाद कलाकार उनमें रंग भरना शुरू कर देता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, पृष्ठभूमि गहरे नीले रंग से भरी हुई है। चौथे चित्र में विस्तार से वर्णन किया गया है। कलाकार ने रंगों का चयन ऐसे किया है कि मामला वास्तविक लगे। इंडिया गेट मीडियम पीले रंग से भरा गया है। (चित्र 8.8 देखे)

इसके बाद मूल स्वरूप देने के लिए गहरे पीले और भूरे रंग का उपयोग करके विवरण दिया गया था। लोटस टेम्पल को सफेद आधार पर हल्के पीले और भूरे रंग का टोन और बनावट (टेक्स्चर) दिया गया है, जो इसे बिल्कुल वास्तविक लुक देता है। अंत में कलाकार ने लाल किले में भूरे रंग के अलग-अलग टोन दिए हैं, जो बेहद खूबसूरत लगते है। ऐसा लगता है जैसे कलाकार ने लाल किले को एक फ्रेम में कैद कर लिया है। कलाकार ने तीनों-चित्रों को हरे रंग की सीमा में दिखाया है, जो विषयवस्तु को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। विषयवस्तु की पुष्ठभूमि में कलाकार ने नीले रंग के अलग-अलग टोन का इस्तेमाल करते हुए आसमान को दिखाया है, जो बेहद आकर्षक लग रहा है।

चित्रण पूरा हो जाने पर कलाकार अक्षरों को रंग से भर देता है। जैसा कि चित्र से देखा जा सकता है, उन्होंने गहरे नीले रंग की पृष्ठभूमि पर 'GLIMPSES' और 'INDIA' को सफेद रंग से भर दिया है, जिससे अक्षर उभर कर सामने आते हैं। (चित्र 8.9 देखें)

बाईं ओर उन्होंने किताब की मोटाई भी दिखाई है। इसमें प्रकाशक का लोगो, लेखक का नाम और पुस्तक का नाम होता है। इस प्रकार, हमारी पुस्तक का कवर तैयार है। चित्रण के लिए पोस्टर रंगों का उपयोग किया गया है।

पुस्तक कवर डिज़ाइन के लिए अभ्यास

शिक्षार्थी दिए गए विषयों पर पुस्तक कवर बना सकते हैं;

1. हिंदी भाषा
2. प्रेमचंद की कहानियाँ
3. भारत गाथा
4. 'क', 'ख', 'ग' सीखो

आपने क्या सीखा

- ग्राफिक डिज़ाइन एक दृश्य संचार है जो दर्शकों तक जानकारी पहुँचाता है।
- कुछ सॉफ्टवेयर, जैसे- फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा आदि हमें डिजिटल रूप से विभिन्न छवियाँ बनाने में मदद करते हैं।

- मैन्युअल अभ्यास और डिजिटल फॉर्मेशन के बीच में अंतर होता है।
- डिजिटल रूप से लोगो, ग्रिटिंग कार्ड डिजाइन, पुस्तक कवर डिज़ाइन आदि बनाना।

पाठांत प्रश्न

1. मैन्युअल प्रश्न और डिज़िटल निर्माण के बीच अंतर स्पष्ट करें।
2. ग्राफिक डिज़ाइन के साथ चित्रकला पुस्तक के लिए आगे और पीछे का कवर पेज बनाएँ।
3. किसी भी विषय के लिए रंगीन लोगो का चित्रण करें।
4. अपनी आर्ट नोट बुक के लिए मैनयुअल रूप से वॉटर कलर का उपयोग कर एक डिज़ाइन बनाएँ।

9

जनजातीय और लोककला के संदर्भ में रचनात्मक डिज़ाइन

लक्ष्य

रूपांकनों की पुनर्व्यवस्था और पुनरावृत्ति की सहायता से एक नया कला रूप बनाने के लिए विभिन्न लोक रूपांकनों और सामग्रियों का अध्ययन और उन्हें अपनाना।

परिचय

रचनात्मक डिज़ाइन किसी विचार और कल्पना का पता लगाने और उसे कला में बदलने या रचने का तरीका है। यहाँ विभिन्न जनजातीय और लोक रूपांकनों और रूपों का पता लगाया जाएगा जिनका उपयोग रचनात्मक डिज़ाइन के रूप में एक नई कलाकृति बनाने के लिए किया जा सकता है। इस पाठ में विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न प्रकार की लोक और आदिवासी कलाओं के बारे मे सीखा जाएगा, जिनमें मुख्य रूप से मधुबनी, भील और कोलम शामिल हैं। डिजाइन बनाते समय एक कलाकार को इन विभिन्न सामग्रियों, तकनीकों और तत्काल परिवेश से वे कैसे प्राप्त हुए, इन पर विचार करना चाहिए। इस पाठ में, हम विभिन्न लोक और जनजातीय कला रूपांकनों और रूपों को बनाना सीखेंगे, और रूपांकनों का उपयोग करके एक नया रूप या डिज़ाइन बनाने का प्रयास करेंगे और अपने आस-पास के परिवेश से रंगों को डिज़ाइन करने की विधि को भी अपनाएंगे।

उद्देश्य

इस प्रायोगिक पाठ को पढ़ने के बाद आप :

- विभिन्न जनजातीय और लोककला के रूपांकनों और उनके रूपों के बीच अंतर कर सकेंगे;
- रंगों के निर्माण और उनके उपयोग का विश्लेषण कर सकेंगे;

- लोक और जनजातीय कला रूपों और रूपांकनों की मदद से एक रचनात्मक डिजाइन की व्यवस्था ओर रचना कर सकेंगे;
- विभिन्न सामग्रियों और विधियों का उपयोग करने का कौशल विकसित कर सकेंगे;
- रूपों और मोटिफों को दोहराकर और पुनर्व्यवस्थित करके एक रचनात्मक नवीन कला की रचना कर सकेंगे;
- विभिन्न ज्यामितीय पैटर्न और उसके महत्व का निर्माण कर सकेंगे।

मधुबनी चित्रकला

अब हम मधुबनी पेंटिंग के बारे में जानने हैं। मधुबनी पेंटिंग प्राकृतिक चीजों से निकाले गए रंगों का उपयोग करके बनाई जाती थी। मधुबनी पेंटिंग पारंपरिक रूप से मिथिला क्षेत्र के विभिन्न समुदायों की महिलाओं द्वारा बनाई गई। यह पेंटिंग लोक चित्रकला का एका रूप है।

आइए एक मधुबनी पेंटिंग बनाएँ

चरण 1: सबसे पहले, ज्यामितीय पैटर्न का उपयोग करके शीट पर एक सुंदर बॉर्डर बनाएं। बॉर्डर मधुबनी पेंटिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो इसे सुंदर और संपूर्ण बनाता है। रचना के बॉर्डर का आकार 1.5 इंच से 2.5 तक हो सकता है। यह ड्राइंग पेपर के आकार पर निर्भर करता है; बॉर्डर बनाने के बाद शीट के केंद्र में मुख्य आकृतियाँ बनाएं और फिर शेष क्षेत्र को पूरा करें। सबसे पहले, हमने एक मछली बेचने वाली महिला का चित्र बनाया है जैसा चित्र 9.1 में दिखाया गया है।

चित्र 9.1

चरण 2: दूसरे चरण में, शीट के शेष क्षेत्र को पूरा करने के लिए पत्तियों, फलों और पक्षियों के साथ पेड़ का चित्र बनाएं। इस ड्राइंग के लिए आप किसी भी प्राकृतिक चीज़, आकृतियों आदि का उपयोग कर सकते हैं (चित्र 9.2 देखें)।

चित्र 9.2

चरण 3: इस चरण में, हम मुख्य आकृतियों से शुरुआत करते हुए पेंटिंग में रंग भरना शुरू करते है। मुख्य आकृतियों के बाद, अन्य आकृतियों को गहरे रंगों से भरें (चित्र 9.3 देखें)।

चित्र 9.3

चरण 4: इस चरण में, पेंटिंग की शेष आकृति को पेड़ों, तनों, पक्षियों और सीमाओं के रूप में रंग दें। चमकीले और समृद्ध रंगों के साथ तने के लिए भूरे और पत्तियों के लिए हरे रंग का उपयोग करें। अब मधुबनी पेंटिंग पूरी हो गई है। (चित्र 9.4 देखें)।

चित्र 9.4

भील चित्रकला

आइए अब भील चित्रकला सीखें।

भील चित्रकला भारत में भील जनजाति समुदाय की जनजातीय कला है। भील मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान और भारत के कुछ अन्य राज्यों में रहते हैं। भील चित्रकला मुख्य रूप से इस जनजाति की प्रकृति और जीवन से संबंधित है। भील कला की विशेषताएँ मुख्यत: बिंदु हैं जो संपूर्ण पृष्ठभूमि को कवर करती हैं। इन बिंदुओं को डिजाइन और इसकी सतह पर सुंदर पैटर्न और रंगों के साथ कुशलतापूर्वक लगाया जाता है। हम जानवरों, प्रकृति, पक्षियों और मनुष्यों जैसी सरल आकृतियों का उपयोग करके कागज पर पेंसिल और जल रंग से भील पेंटिंग बनाएंगे। तो, भील पेंटिंग बनाने के लिए आपको जलरंग, कागज, पेंसिल, ब्रश आदि की आवश्यकता होगी।

चरण 1: एक शीट लें और अपनी पसंद का चित्र बनाएं। हमने मोर पक्षी का विषय चुना है, जैसा चित्र 9.5 में दिखाया गया है।

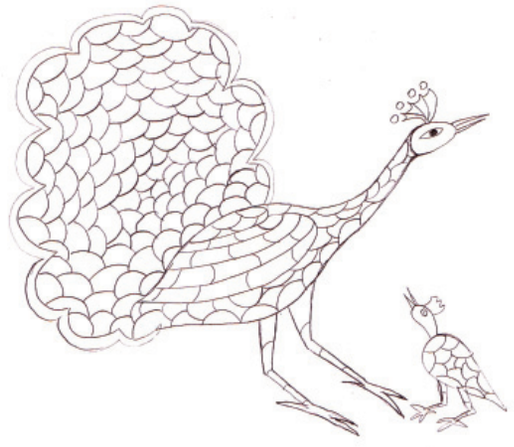

चित्र 9.5

चरण 2: मूल रंग लगाना शुरू करें। आप ऐक्रेलिक या पोस्टर रंगों का उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले, आकृति के मुख्य भाग पर एक या दो कोट लगाएँ। फिर आप अपनी पसंद के अनुसार लाल, हरा, नीला, पीला और नारंगी जैसे रंगों का उपयोग कर सकते है, जैसा कि चित्र 9.6 में दिखाया गया है।

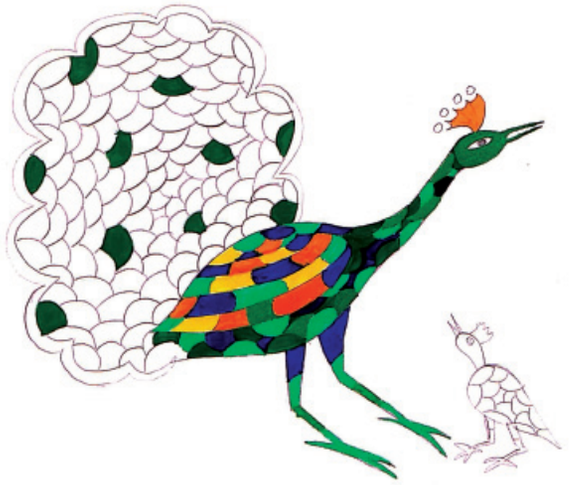

चित्र 9.6

चरण 3: जब मूल रंग सूख जाए। एक पतले ब्रश से आकृतियों में बिंदु लगाना शुरू करें;ा यदि आप डॉट्स लगाने के लिए ब्रश का उपयोग करने में असहज हैं, तो आप कॉटन बड के साथ एक पतली लकड़ी की छड़ी का भी उपयोग कर सकते हैं। बिंदुओं को बारीकी से लगाना चाहिए, जैसा कि चित्र 9.7 में दिखाया गया है।

चित्र 9.7

चरण 4: अंतिम चरण में, ड्राइंग के शेष भाग में सावधानीपूर्वक बिंदुओं को रखें। (चित्र 9.8 देखें)

चित्र 9.8

अब, आपको एक सुंदर भील पेंटिंग मिलेगी, जैसा चित्र में दिखाया गया है।

चित्र 9.9

नोट: रंगों और बिंदुओं को मिलाने से बचें।

कोलम डिज़ाइन

कोलम चित्रकला भारत के दक्षिणी भाग में प्रसिद्ध है। इसे चाक पाउडर, चावल पाउडर और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके तैयार किया जाता है। इस चित्रकला में ज्यामितीय आकृतियों और रेखाओं का एक संयोजन बनाया जाता है जिसमें समानांतर बिंदुओं का अलग-अलग रेखाओं की मदद से जोड़कर सुंदर डिज़ाइन बनाए जाते हैं।

चरण 1: सबसे पहले, पेस्टल शीट की तरह एक गहरे रंग का कागज इकट्ठा करें और चित्र 9.10 में दिखाए अनुसार इस तरह से बिंदुओं को चिह्नित करना शुरू करें। (चित्र 9.10 देखें)

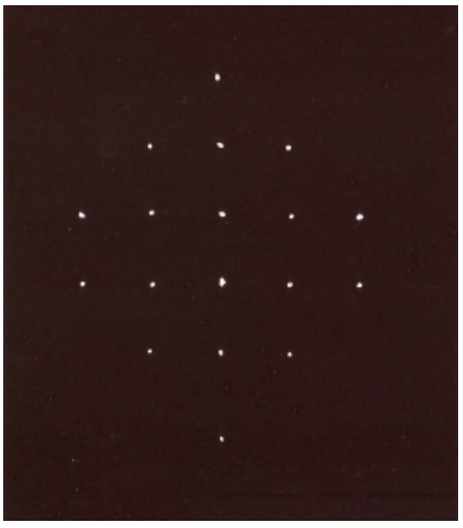

चित्र 9.10

चरण 2: नीचे दिए हुए चित्र के अनुसार सफेद रंग या पेंसिल की सहायता से डिजाइन बनाएँ। रंगों के साथ पतली तूलिका का भी उपयोग करें। चित्र 9.11 देखे)

चित्र 9.11

चरण 3: चरण 2 में बने पैटर्न के ठीक विपरीत बिंदुओं को जोड़कर वही पैटर्न बनाएं (चित्र 9.12 देखें)।

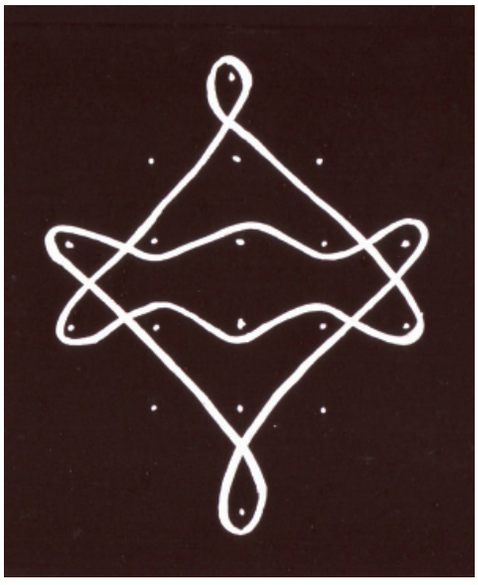

चित्र 9.12

चरण 4: हृदय का आकार बनाएँ दूसरी और तीसरी पंक्ति का उपयोग करे, जैसा कि चित्र 9.13 में दिखाया गया है।

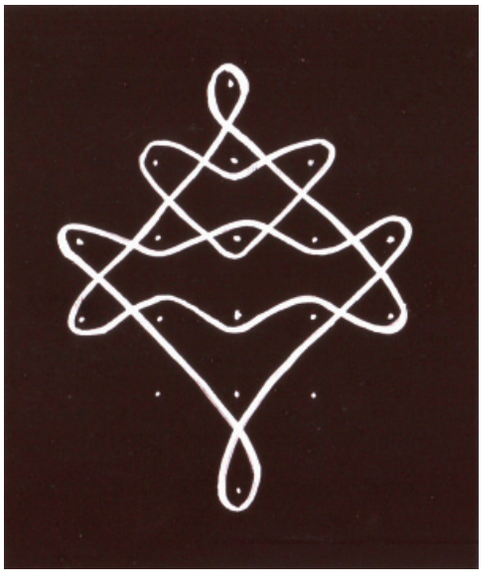

चित्र 9.13

चरण 5: कोलम कला के डिज़ाइन को पूरा करने के लिए, उसके ठीक विपरीत दिल का आकार बनाएँ जैसा चरण 4 में बनाया गया, जैसा चित्र 9.14 में दिखाया गया है।

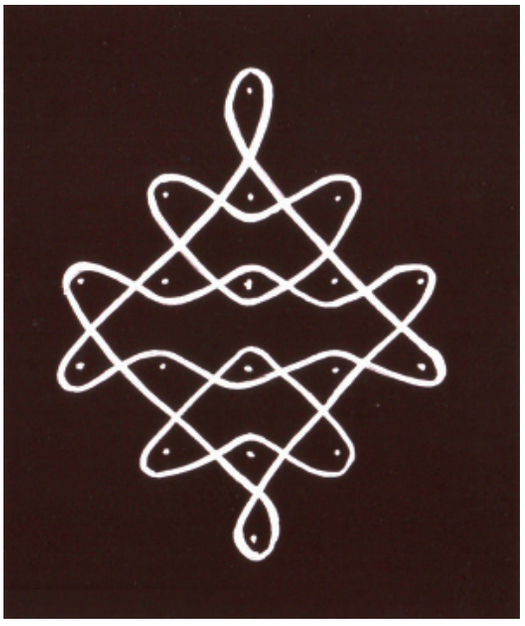

चित्र 9.14

अब कोलम डिज़ाइन पूरा हो गया है।

आपने क्या सीखा

- रचनात्मक डिज़ाइन कलाकार के विचार और कल्पना का पता लगाने का तरीका है।
- रूपांकनों (मोटिफों) का उपयोग करके एक नया डिज़ाइन बनाना।
- अपने आसपास के परिवेश से रंग डिज़ाइन करने की विधि को जानना।
- लोक और जनजातीय कला रूपों की सहायता से डिज़ाइनों का चित्रण करना।

पाठांत प्रश्न

1. ज्यामितीय पैटर्न का उपयोग करके A4 आकार की शीट पर एक बॉर्डर बनाएं।
2. सरल आकृतियों का उपयोग करके भील चित्रकला का एक डिजाइन बनाएं।
3. भील चित्रकला के बारे में संक्षेप में लिखें।
4. कोलम कला रूपों से एक विचार लेते हुए एक रचनात्मक डिज़ाइन का चित्रण करें।

पहला मोड़

पाठों के विषय में प्रतिपुष्टि (Feed back on Lessons)

पाठ संख्या	पाठ का नाम	विषय वस्तु			भाषा		उदाहरण		आपने क्या सीखा	
		कठिन	रोचक	भ्रामक	सरल	जटिल	उपयोगी	उपयोगी नहीं	अत्यंत सहायक	सहायक नहीं
1.										
2.										
3.										
4.										
5.										
6.										
7.										
8.										
9.										

अन्तिम मोड़ और बंद कर दीजिए

प्रतिपुष्टि प्रपत्र को आज ही भरें तथा डाक से भेजें

चौथा मोड़

तीसरा मोड़

प्रिय शिक्षार्थियो

अपनी पाठ्य पुस्तकों को पढ़कर आपको आनंद आया होगा। हमने पाठ्य सामग्री को यथासंभव प्रासंगिक तथा रूचिकर बनाने के लिये भरसक प्रयास किया है। विषय सामग्री का विकास आप और हम दोनों पर निर्भर करता है। आपकी प्रतिपुष्टि विषय सामग्री को सुधारने में हमारी सहायता करेगी। अपने समय में से कुछ मिनट अवश्य निकाले तथा प्रतिपुष्टि प्रपत्र को भर कर हमें भेज दीजिए ताकि एक रूचिकर तथा उपयोगी विषय सामग्री का निर्माण किया जा सके।

धन्यवाद

समन्वयकर्ता

संदर्शिका पुस्तिका

प्रश्नों के विषय में प्रतिपुष्टि (Feed back on Questions)

पाठ संख्या	पाठ का नाम	पाठगत प्रश्न		पाठान्त प्रश्न		
		उपयोगी	उपयोगी नहीं	सरल	कठिन	अत्यंत कठिन
1.						
2.						
3.						
4.						
5.						
6.						
7.						
8.						
9.						

दूसरा मोड़

आपके सुझाव

_____

_____

_____

_____

क्या आपने संदर्शिका पुस्तिका के अध्ययन के लिये कोई अन्य पुस्तक पढ़ी है? हाँ/नहीं
यदि हाँ तो उसे पढ़ने का कारण दें।

_____

_____

नाम : _____

नामांकन संख्या : _____

पता : _____

_____

विषय : _____

पुस्तक संख्या : _____

सहायक निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
ए - 24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया
सेक्टर - 62 नोएडा (यू.पी.)

डाक टिकट

किसी अनुलग्नक की अनुमति नहीं